Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 78
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,18 अक्टूबर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर, कंपनी ने लागत घटाने 4 एक नायाब साल 5 लाल परी बन दिवाली पार्टी में शामिल हुई प्रियंका

पीएम ने श्रीलंकाई पीएम और मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात

क्षेत्रीय सहयोग पर हुई अहम चर्चा

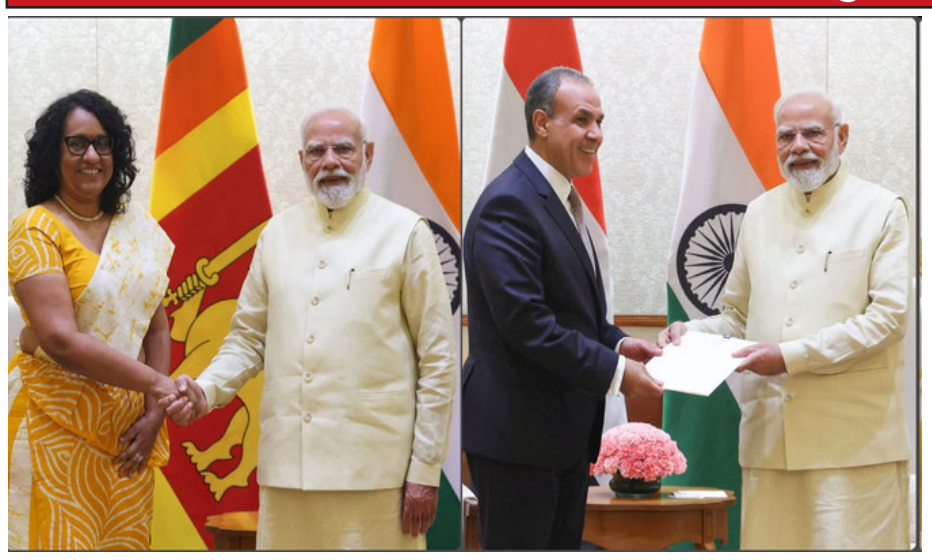

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दो अहम मुलाकातें कीं, एक पड़ोसी देश श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से और दूसरी मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलअती से। इन मुलाकातों को भारत की पड़ोसी और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। श्रीलंका के साथ सहयोग पर चर्चा पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी दी कि उन्होंने श्रीलंका की प्रधानमंत्री का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नवाचार, विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण जैसे विषय शामिल थे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'करीबी पड़ोसी होने के नाते, हमारे सहयोग का हमारे दोनों देशों की समृद्धि और साझा क्षेत्र के विकास में बहुत बड़ा महत्व है।' भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से गहरे रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देश व्यापार, सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग को लेकर लगातार संवाद बढ़ा रहे हैं। यह मुलाकात उसी कड़ी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाकात इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलअती से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अब्देल फत्ताह अल-सीसी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गाजा शांति समझौता में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक दूसरे पोस्ट में लिखा, 'अपने मित्र राष्ट्रपति सिसी की गाजा शांति समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए गहरी सराहना व्यक्त की। भारत-मिस्र की रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है, जिससे हमारे लोगों, हमारे साझा क्षेत्र और संपूर्ण मानवता को लाभ मिलेगा।' भारत और मिस्र के बीच रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में पिछले कुछ वर्षों में तेजी आई है। दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करते रहे हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक सहयोग का संदेश इन दोनों मुलाकातों से साफ संकेत जाता है कि भारत पड़ोसी देशों और पश्चिम एशिया के अहम साझेदारों के साथ अपने रिश्ते और गहराने पर जोर दे रहा है। शिक्षा, नवाचार, शांति और क्षेत्रीय सहयोग पर ध्यान देना इस नीति की प्रमुख दिशा है।

स्वदेशी तेजस ने भरी पहली उड़ान,रक्षामंत्री राजनाथ ने प्रॉडक्शन यूनिट का उद्घाटन किया

नासिक (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना को मार्क 1 ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में तेजी लाने के मकसद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नासिक में तीसरी प्रोडक्शन लाइन शुरू की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया। नासिक के ओझर की इस फेसिलिटी में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ने शुक्रवार को पहली उड़ान भरी। इस प्रोडक्शन लाइन के जरिए वायुसेना को 2032-33 तक 180 तेजस विमानों की आपूर्ति करने में मदद करेगी। यहां अभी आठ फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 10 किया जा सकता है। वायुसेना के लिए तेजस विमान बना रही एचएएल को सितंबर में ही अमेरिका ने इसका चौथा इंजन भेजा था। इस फाइटर जेट की खूबियों में से एक है कि इसके विंग्स (पंखों) में 9 जगह मिसाइलें फिट होती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर तेजस मार्क-1ए की औसत कीमत 600 करोड़ रुपए है। फाइटर जेट रफ्तार 2205 किमी,घंटा यानी ध्वनि से भी करीब दोगुनी तेज है। इसका प्रोडक्शन देश की 500 से ज्यादा घरेलू कंपनियों ने मिलकर किया है, इसलिए इसे स्वदेशी तेजस भी कहा जा रहा है। केंद्र ने 19 अगस्त को वायुसेना को 97 तेजस फाइटर जेट खरीदने की हरी झंडी दी थी। इसके बाद 25 सितंबर को रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को कॉन्ट्रैक्ट दिया था। केंद्र ने एचएएल के साथ ₹62,370 करोड़ की डील की है। इसे पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के बीकानेर स्थित नाल एयरबेस पर तैनात करने की योजना है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस जेट में स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल एक्चुएटर होंगे। तेजस मार्क-1 के 65ः से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं। मार्क 1 ।, सिंगल इंजन वाले तेजस एयरक्राफ्ट का एडवांस वर्जन है।

असम के तिनसुकिया में आतंकवादियों ने आर्मी कैंप पर किया हमला

तिनसुकिया (एजेंसी)। असम के तिनसुकिया जिले में शुक्रवार तड़के काकोपथार इलाके में अज्ञात आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों के शिविर पर गोलीबारी की जिससे सेना के तीन जवान घायल हो गए। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, इलाके में आतंकवादियों को गिरफ्तार करने के लिए सेना और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। सेना के प्रवक्ता ने बताया, देर रात करीब 12.30 बजे अज्ञात आतंकवादियों ने एक चलती गाड़ी से काकोपाथर कंपनी पर गोलीबारी की। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने तत्काल और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान जवानों ने आस-पास के नागरिकों के घरों को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए भी सावधानी बरती। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने सेना की जवाबी कार्रवाई के कारण स्वचालित हथियारों का उपयोग करके गोलीबारी की और घटनास्थल से भाग निकले। प्रवक्ता ने कहा, तीन जवानों को मामूली खरोंचों के अलावा कोई गंभीर चोट नहीं आई है। इलाके की छानबीन की गई है और पुलिस के साथ समन्वय कर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। यह क्षेत्र असम और अरुणाचल प्रदेश की अंतर-राज्यीय सीमा के करीब है।

रंग-बिरंगी चादरें डालकर जमीन नहीं हड़प सकते जिहादी : धामी

ऊधम सिंह नगर (एजेंसी)। नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने लैंड जिहादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 9000 एकड़ जमीन लैंड जिहादियों से मुक्त कराई है। इसके साथ 250 अवैध मदरसों को सील करने के साथ 500 से अधिक अवैध संरचनाओं को हटाने का काम किया है। देवभूमि में अब कोई भी जिहादी रंग-बिरंगी चादरें डालकर जमीन को नहीं हड़प सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने काशीपुर में बने नव निर्मित भाजपा जिला कार्यालय का हवन पूजन कर लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने कार्यालय में भाषण देते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि काशीपुर भाजपा जिला कार्यालय आज पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं को समर्पित किया है, यह गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश की कुछ राजनीतिक पार्टी को लगता है कि नेतृत्व उन्हीं के

परिवार की बपौती है, लेकिन भाजपा का एक मात्र सिद्धांत रहा है की नेतृत्व जन्म से नहीं बल्कि कर्म से होता है। सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार ने नकल विरोधी कानून, लव जिहाद, लैंड जिहाद, भू-कानून, कालनेमि कानून लाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश में कानून तोड़ने वालों, नकल, लव, थूक जिहादियों को कतई नहीं बख्शा जाएगा। इसी के चलते मदरसा बोर्ड को भी समाप्त करने का निर्णय लिया है। इसके परिणाम आने वाले एक वर्ष के अंदर दिखाई देने लगेंगे। एक जुलाई 2026 के बाद ऐसे मदरसों को मान्यता नहीं मिलेगी और उनका पंजीकरण समाप्त कर दिया जाएगा जो हमारे शिक्षा आयोग की ओर से जारी सिलेबस नहीं पढ़ाएंगे। इसके अलावा ऑपरेशन कालनेमि में अभी तक छह हजार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष विनय रूहेला, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर दीपक बाली, जनपद प्रभारी पुष्कर काला, पूर्व मेयर उषा चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, जिला महामंत्री अमित सिंह, राम मेहरोत्रा, खिलेंद्र चौधरी आदि लोग मौजूद रहे। नकल माफिया मेहनत पर नहीं डाल सकेंगे डाका मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हाल ही में हरिद्वार के एक परीक्षा केंद्र में नकल कराने का प्रकरण सामने आया था।

दीपावली से पहले सीएम योगी ने 5 लाख छात्रों को ट्रांसफर किया स्कॉलरशिप

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि पढ़ लिख कर ही हम देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 10,28,205 छात्र,छात्राओं को 297.95 करोड़ रुपये की धनराशि के हस्तांतरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में योगी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2016-17 तक प्रदेश के अंदर केवल 46 लाख विद्यार्थी स्कॉलरशिप का लाभ पाते थे, आज यह

संख्या बढ़कर 62 लाख तक पहुंच गई है।योगी ने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है ताकि वे अपनी ऊर्जा से समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में दशमोत्तर एवं पूर्वदशम के 10,28,205 छात्र-छात्राओं को 297.95 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति का अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा संकल्प है कि किसी भी युवा, छात्र-छात्रा, खास तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उन्होंने दीपावली से पूर्व मिले इस उपहार के लिए सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हृदय से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी बार-बार कहते थे-पढ़-लिखकर ही हम स्वावलंबन का जीवन व्यतीत कर सकते हैं और अपने देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने बाबा साहब के पढ़ाई के दिनों की चुनौतियों का स्मरण करते हुए कहा आज पैसे की कमी नहीं है, छात्रों-छात्राओं की सुविधा के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। आज अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से हर जनपद में बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में चलाई गई योजनाओं का लाभ देश और प्रदेश को मिला है। योगी ने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबारकर सामान्य जीवन जीने का अवसर मिला है और उत्तर प्रदेश के छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। कार्यक्रम को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने संबोधित किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए विभाग की सिलसिलेवार उपलब्धियां गिनाईं।

हरियाणा: सीनियर सिटीजन से डिजिटल अरेस्ट कर 1.50 करोड़ रुपए की ठगी, सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला में एक सीनियर सिटीजन को डिजिटल अरेस्ट कर 1.50 करोड़ रुपए ठगे जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से कोर्ट की सहायता करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर केंद्र सरकार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), हरियाणा सरकार और साइबर क्राइम विभाग, अंबाला को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने हरियाणा सरकार और पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम अंबाला को अब तक की गई जांच की पूरी रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसे मामलों में जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों के फर्जी हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश से न्यायपालिका पर जनता के विश्वास पर गहरी चोट पहुंचती है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला कोई अकेला मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ऐसी खबरें छपी हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी खबरें लगातार आ रही हैं।

पूर्व डीजीपी के वकील बेटे की दवा ओवरडोज से मौत, परिवार को बेसुध मिले

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर के रहने वाले पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील की दवा की पंचकूला में ओवरडोज लेने के कारण मौत हो गई। घटना गुरुवार रात को हुई। पुलिस को दिए गए बयान में परिवार के सदस्यों ने बताया कि 35 साल के अकील ने गुरुवार को किसी दवा का सेवन किया था। परिवार के लोगों को वे बेसुध हालत में मिले। इसके बाद उपचार के लिए उन्हें नागरिक अस्पताल में लाया गया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। मौत के बाद शव को हरियाणा के पंचकूला सेक्टर-6 स्थित सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम किया गया। परिजन शव को सहारनपुर से लेकर पहुंच गए हैं। इस दौरान हरड़ाखेड़ी गांव में सांसद इमरान मसूद के दामाद शायन मसूद, पूर्व विधायक शशि बाला पुंडीर समेत काफी संख्या में लोग पहुंचे हैं।

राहुल गांधी ने गुवाहाटी में जुबिन गर्ग को दी श्रद्धांजलि

नाम-कीर्तन में लिया भाग

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गायक जुबिन गर्ग को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में उस स्थान पर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया था। राहुल गांधी ने उस मंच पर एक पारंपरिक असमिया दुपट्टा श्गामोसाश तथा पुष्पांजलि अर्पित की, जहां गायक का अंतिम संस्कार किया गया था। उनके साथ असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव और असम

प्रभारी जितेंद्र सिंह, असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया और राज्य के पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी थे। जैसे ही राहुल गांधी ने गायक को श्रद्धांजलि दी, वहां मौजूद भीड़ ने नारे लगाए जुबिन को न्याय मिले और जुबिन की जय। राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता जमीन पर बैठे और वहां आयोजित नाम-कीर्तन (प्रार्थना) में भाग लिया। कांग्रेस नेता ने श्मशान घाट पर नाहोर (भारतीय गुलाब शाहबलूत) का पौधा भी लगाया, जिसे गायक बहुत पसंद करते थे। पार्टी के एक नेता ने बताया कि राहुल गांधी नयी दिल्ली रवाना होने से पहले शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए गायक के आवास पर भी जाएंगे। जुबिन गर्ग (52) की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मृत्यु हो गई थी। 23 सितंबर को गुवाहाटी के पास सोनापुर में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया था। असम सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है, जो उनकी मृत्यु के कारणों की जांच कर रही है।

भाजपा ने नीतीश कुमार की पीठ में छुरा घोंपा, जदयू को कमजोर करने की कर रही कोशिश : उदित राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फतेहपुर दौरे को लेकर कहा कि वह गरीब, दलित, पिछड़े समुदाय और आदिवासियों के लिए एकमात्र सहारा हैं। न्यूज एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी इन गरीब और उत्पीड़ित लोगों के साथ नहीं खड़े होंगे तो कौन खड़ा होगा? पूरे देश के दलित, पिछड़े, आदिवासी और गरीब समुदाय राहुल गांधी की ओर आशा भरी निगाहों से देखते हैं। उदित राज

ने कहा कि देश में उत्पीड़न का दौर चल रहा है और राहुल गांधी इन समुदायों की आवाज बन रहे हैं। बिहार में मुख्यमंत्री फेस को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर उदित राज ने कहा कि अमित शाह सोचते हैं कि देश की जनता उनके साथ है। विधानसभा चुनाव के बाद विधायक मुख्यमंत्री चुनते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि गुजरात में क्या हुआ? एक आदेश पर 12-13 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। उदित राज ने कहा कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने नीतीश कुमार की पीठ में छुरा घोंपा है।

गुजरात में मुख्यमंत्री वही, कैबिनेट नई, हर्ष संघवी बने डिप्टी सीएम, रिवाबा जडेजा समेत 26 मंत्रियों ने शपथ ली, 19 नए चेहरे

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को 19 विधायकों को मंत्रियों के तौर पर शामिल कर मंत्रिपरिषद में फेरबदल किया और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया। इसी के साथ पटेल समेत मंत्रिपरिषद में शामिल कुल नेताओं की संख्या 26 हो गई है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नए मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व

करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। संघवी और भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले पिछले मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे पांच अन्य विधायक मंत्रिपरिषद में बने हुए हैं। सभी 16 मंत्रियों ने हालांकि बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इन छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए। इन छह में से तीन-कनुभाई पटेल, ऋषिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया-पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि संघवी, प्रफुल्ल पानसेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल संघवी और पानसेरिया ने शुक्रवार को दोबारा शपथ ली। संघवी को उपमुख्यमंत्री और पानसेरिया को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया।

एक्टर विजय की पार्टी मान्यता प्राप्त नहीं :चुनाव आयोग

जरूरी शर्तें पूरा नहीं करती, मद्रास हाईकोर्ट में टीवीके और करूर भगदड़ पर सुनवाई

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट में कहा-एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है। टीवीके एक मान्यता प्राप्त राज्य पार्टी बनने के लिए जरूरी शर्तों को पूरा नहीं करती। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की बेंच के सामने ईसीआई के वकील निरंजन राजगोपाल ने कहा किसी पार्टी को राज्य स्तर पर मान्यता पाने के लिए कम से कम 6ः वैध वोट और विधानसभा की दो सीटें या लोकसभा की एक सीट जीतनी जरूरी होती है। कोर्ट ने ये बातें उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कही, जिनमें टीवीके

को रद्द या गैर-मान्यता प्राप्त घोषित करने और करूर रैली घटना के लिए विजय के खिलाफ एफआईआर में अतिरिक्त धाराएं जोड़ने की मांग की गई थी। दरअसल, 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। मृतकों में 18 महिलाएं, 13 पुरुष और 10 बच्चे शामिल थे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता (मदुरै बेंच में वकील) ने कहा कि रैली बहुत भीड़भाड़ वाली जगह पर आयोजित की गई थी। लापरवाही और नियमों के उल्लंघन के कारण यह दुखद घटना हुई। इसमें 40 से ज्यादा मौतें और कई घायल हुए। इसके अलावा, याचिका में चुनाव आयोग से टीवीके का पंजीकरण रद्द करने, राजनीतिक रैलियों में बच्चों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और अभिनेता विजय को पीड़ित परिवारों को प्रति परिवार 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने का निर्देश देने की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने एक्टर विजय की पार्टी टीवीके और भाजपा नेता उमा आनंदन की मामले की सीबीआई जांच याचिका पर फैसला सुनाया। मद्रास एचसी ने मामले की जांच एसआईटी को सौंपी थी। बेंच ने कहा था सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय कमेटी जांच की निगरानी करेगी।

इण्टीग्रेटिव मेडिसिन समय की माँग - डॉ अशोक वार्ष्णेय

आयुर्वेद एवं पाश्चात्य विधा का समन्वय चिकित्सा की सफलता का मूल मंत्र- डॉ जी एस तोमर

गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आरोग्य संगम 2025 के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने की। इस सत्र में आत्रेय इनोवेशन के संस्थापक डॉ अनिरुद्ध जोशी ने ह्रटेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन इन डायग्नोसिस पल्स मोनीटर (नाड़ी तरंगिणी) के विशिष्ट परिप्रेक्ष्य मेंह्व विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। डॉ जोशी ने नाड़ी परीक्षा को व्यावहारिक, सरल एवं वैज्ञानिक स्वरूप में विकसित करने का सफल प्रयास किया है। इससे पारम्परिक ज्ञान को नवाचार के माध्यम से चिकित्सोपयोगी बनाया जा सकता है। दूसरा प्रस्तुतीकरण सेन्टर फॉर रुमेटिक डिसीजेज के डाइरेक्टर एण्ड चीफ रुमेटोलॉजिस्ट डॉ अरविन्द चोपरा ने ह्रइन्टीग्रेटिव मेडिसिन क्लिनिकल बेस्ड एप्रोचह्व विषय पर दिया। डॉ चोपरा ने जोड़ों के दर्द की विभिन्न विकृतियों को अत्यंत सरल एवं वैज्ञानिक दृष्टि से प्रस्तुत किया। उनका प्रस्तुतिकरण चिकित्सकों को रुमेटिक डिसीजेज के सही निदान एवं चिकित्सा में अत्यंत लाभकारी साबित होगा। आयुर्वेद एवं पाश्चात्य चिकित्सा विधा किस प्रकार सम्मिलित रूप से इन रोगियों को स्वास्थ्य लाभ पहुँचा सकती है इस पर अपने विचार साझा किए।डॉ राजेन्द्र जैन ने स्वर विज्ञान के आधार पर इडा, पिंगला एवं सुषुम्ना नाड़ी के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं रोग उपचार पर अपने अनुभव साझा किए। सत्राध्यक्ष के रूप में अपने

उद्बोधन में डॉ तोमर ने तीनों ही विद्वान वक्ताओं को उनके उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण के लिए बधाई दी एवं बताया कि नाड़ी परीक्षा आयुवेर्दीय निदान पद्धति की अष्ट स्थान परीक्षा का एक महत्वपूर्ण भाग है। उन्होंने कहा कि योगरत्नाकर नामक आयुवेर्दीय ग्रंथ में नाड़ी, मूत्र, मल, जिह्वा, शब्द, स्पर्श, दृक एवं आकृति अष्टविध रोगी परीक्षा का वर्णन है जो सम्पूर्ण निदान को अपने आप में समाहित करता है। इस ज्ञान को आज की विकसित तकनीक के प्रयास से नवाचार करना समय की आवश्यकता है। वहीं रुमेटिक डिसीजेज के सम्बन्ध में अपने विचार रखते हुए उन्होंने बताया कि हजारों वर्ष पूर्व महर्षि चरक ने वातव्याधि एवं वातरक्त के संदर्भ में इस महत्वपूर्ण रोग विशेष की जानकारी प्रस्तुत की है। यही नहीं विकास के क्रम में माधवकार ने माधव निदान में आमवात का वर्णन कर इस रोग को और अधिक विस्तार दिया है।चिकित्सा विज्ञान के विकसित परीक्षणों के आधार पर इसका प्रस्तुतिकरण चिकित्सकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने इन्टीग्रेटिव मेडिसिन के सम्बन्ध में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हर विधा की अच्छाइयों को समाविष्ट कर रोगी को आदर्श चिकित्सा उपलब्ध कराना ही इसका मूलभूत उद्देश्य होना चाहिए। ट्रीटमेंट गैप को भरने के लिए अन्य प्रभावी विधाओं का चिकित्सा में समावेश ही सफल इण्टीग्रेशन हो सकता है। डॉ तोमर ने अपने उद्बोधन में जीवनशैली जन्य विकारों के उपचार में आयुर्वेद को अत्यंत प्रभावी बताया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद न केवल स्वास्थ्य संरक्षण के लिए उत्कृष्ट विधा है अपितु जीर्ण एवं कष्ट साध्य रोगों के लिए भी संजीवनी है। द्वितीय वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय ने की। इस सत्र डॉ पवन गोदातवर, पद्मश्री डॉ मनोरंजन साहू एवं डॉ जी एस तोमर ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। सत्राध्यक्ष के रूप में अपने उद्बोधन में उन्होंने तीनों विद्वान प्रस्तोताओं को उनके उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण के लिए बधाई दी एवं इण्टीग्रेशन को समय की माँग बताया। इस अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सात देशों के एवं ग्यारह प्रदेशों के लोगों ने प्रतिभाग किया।

सोती रहीं महिलाएं, गहने और नकदी पर हाथ साफ कर गए चोर

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में चोर रात में घर का ताला तोड़कर सोना- चांदी और नकदी समेटकर भाग निकले। घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह महिलाएं सोकर उठीं। गाजीपुर जिले के शादियाबाद थाना क्षेत्र के नेवादा दुर्ग विजयराय गांव में बृहस्पतिवार की रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। घर में महिलाएं सो रही थीं, इसी बीच चोरों ने ताला तोड़कर सोने-चांदी के गहने और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मिला देवी पत्नी राजनाथ यादव अपनी बेटी के साथ कमरे में सोई थीं, जबकि उनकी बुजुर्ग देवरानी देवराजी देवी बाहर टिन शेड में सो रही थीं। इसी दौरान चोरों ने दूसरे कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और तीन बक्से को तोड़ दिया। बक्से में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी समेटकर चोर फरार हो गए। हैरानी की बात यह रही कि पूरी वारदात के दौरान घर में सो रहीं महिलाओं को इसकी भनक तक नहीं लगी। शुक्रवार की सुबह जब परिजनों की नींद खुली और टूटा हुआ दरवाजे का ताला देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर का सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता मिला देवी के पति राजनाथ यादव अपने बेटे के साथ मुंबई में मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल शादियाबाद पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष श्याम जी यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्लेटफार्म की सफाई करते हुये स्वच्छताकर्मी

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 17 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर कार्यालयों, प्रतीक्षालयों, स्टेशन परिसरों की सफाई की गई तथा स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली गई। 17 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, कार्यालयों, वाटर बूथ, पानी निकास नालियों तथा डस्टबिन की सफाई की गई और कार्यालयों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। निरीक्षकों द्वारा पानी की शुद्धता की जाँच की गई एवं फूड स्टॉल का निरीक्षण कर खाद्य सामग्रियों को स्वच्छ रखने हेतु निर्देशित किया गया। स्टेशन पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों ने स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी जंक्शन, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ और प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा स्टेशन पर कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जन जागरूकता रैली निकाली गई तथा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतीक्षालय, फर्श एवं बेंचों की सफाई कर धूल-मुक्त बनाया गया। ट्रैक किनारे नालियों की सफाई कर चूना एवं कीटनाशक पाउडर डाला गया। निरीक्षकों, संविदा कर्मचारियों एवं रेल कर्मचारियों के साथ स्वच्छता संबंधी नारे, पोस्टर एवं बैनर के साथ जन जागरूकता रैली निकाली गई।

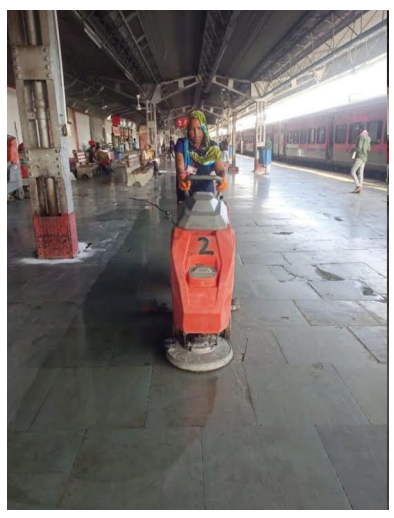

इन गाड़ियों में बर्थ आरक्षित कराकर अपनी यात्रा को सुखद बनावें

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह अक्टूबर के लिये 17 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 571 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 20 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 532 बर्थ एवं शयनयान श्रेणी में 266 तथा 27 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 444 एवं शयनयान श्रेणी में 58 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 05634 गोरखपुर-नारंगी पूजा विशेष गाड़ी में 24 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 658 बर्थ, 31 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 337 बर्थ उपलब्ध है।

- मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 55, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 220 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 34 बर्थ उपलब्ध है।

- ढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 22 अक्टूबर,2025 को शयनयान श्रेणी में 97 बर्थ तथा 29 अक्टूबर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 280 बर्थ उपलब्ध है।

- गोमती नगर से चलने वाली 05325 गोमती नगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 18 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 20, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 82 एवं शयनयान श्रेणी में 305 बर्थ उपलब्ध है।

- मऊ से चलने वाली 05064 मऊ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 22 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 19, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 77 एवं शयनयान श्रेणी में 438 बर्थ उपलब्ध है।

- गोमती नगर से चलने वाली 05314 गोमती नगर-महबूबनगर पूजा विशेष गाड़ी में 19 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 313 बर्थ तथा 26 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 282 बर्थ उपलब्ध है।

यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर, : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 16 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 14 एवं 16 वर्ष की दो नाबालिग लड़कियाँ मिली। पूछताछ के उपरान्त उन लड़कियों को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 16 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 4 पर 13 वर्ष का एक नाबालिग लड़का मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 15 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भटनी को प्लेटफार्म सं0 1 पर घर से नाराज होकर आया एक युवक मिला। पूछताछ के उपरान्त युवक के परिजन के आने पर युवक को सुपुर्द किया गया। 15 अक्टूबर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15113 में मानसिक रूप से विक्षिप्त एक युवक मिला। पूछताछ के उपरान्त युवक के परिजन के आने पर युवक को सुपुर्द किया गया।

उर्वरक वितरण में पारदर्शिता लाने की हिदायत

बस्ती। आयुक्त अखिलेश सिंह ने बृहस्पतिवार को विकास कार्यों की मासिक मंडलीय समीक्षा बैठक की। पूरी पारदर्शिता के साथ उर्वरक वितरण की हिदायत दी। किसानों के हित में कृषि एवं एआर कोआपरेटिव खुद इस पर सजग होकर ध्यान देने के लिए कहा। कहा कि मंडल में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। समितियों के माध्यम से इसे किसानों में वितरित कराएं। यूरिया पंपधारकों पर विशेष निगरानी रखी जाए। कमिश्नर ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, जल निगम, नियोजन, पंचायतीराज, पंचम वित्त राज आयोग, पर्यटन, लोकनिर्माण, लोक शिकायत, यूपीसीएलडीएएफ, कृषि एवं सहकारिता सहित संचालित विकास योजनाओं की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने संचालित योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। कहा कि मंडल स्तरीय अधिकारीगण प्रगति में तेजी लाकर मंडल की रैंकिंग को निचले स्तर से उच्च स्तर पर लाए। पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर पंप स्थापित कराने में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम है। शासन स्तर पर विभागीय अधिकारी द्वारा पत्राचार अवश्य किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण, लोक शिकायत तथा कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिया कि निमार्णाधीन परियोजनाओं को समय से पूरा कराए। शिकायतों का पारदर्शिता से जांच कराकर फीडबैक लेकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराए। संचालन अपर आयुक्त प्रशासन मनोज कुमार त्रिपाठी ने किया।

2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। 18 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत है।

-18 अक्टूबर, 2025 को 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 06.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर, भटनी, सीवान, छपरा होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 05325 गोमतीनगर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी गोमतीनगर से 00.15 बजे प्रस्थान कर बादशाहनगर, लखनऊ सिटी, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 05017 मऊ-सूरत पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 05.30 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड, सलेमपुर, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, गोण्डा, बाराबंकी, बादशाहनगर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्र होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर खटीमा, पीलीभीत, भोजीपुरा, इज्जतनगर, बरेली, बदायू, उझानी, सोरो शूकर क्षेत्र, कासगंज, सिकन्दरा राव, हाथरस सिटी, मथुरा होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 03216 थावे-पटना पूजा विशेष गाड़ी थावे से 18.25 बजे प्रस्थान कर गोपालगंज, सिधवलिया, दिघवा दुबौली, मसरख, मढ़ौरा, खैरा होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 07.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोण्डा, लखनऊ, बरेली होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 14.30 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद, बस्ती, गोण्डा, लखनऊ जं0, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर बस्ती, गोण्डा, लखनऊ जं0, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

-18 अक्टूबर, 2025 को 09430 गोरखपुर-साबरमती पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 13.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती, मनकापुर, गोण्डा, बाराबंकी, लखनऊ जं0, उन्नाव, कानपुर सेन्ट्रल होते हुए चलाई जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

रुधौली में मदरसे के पीछे लगेगी पटाखे की दुकान

रुधौली। दीपावली के त्योहार के मद्देनजर अनुमति प्राप्त करके अस्थायी पटाखा की दुकानें लगाने के लिए व्यापारियों ने बृहस्पतिवार को रुधौली चेयरमैन धीरसेन निषाद से मुलाकात कर सुरक्षित स्थान निर्धारित करने की मांग की। चेयरमैन ने बताया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार पटाखों की दुकानें आबादी वाले क्षेत्र से बाहर ही लगाई जाएंगी। गांधीनगर वार्ड के मदरसा रोड पर मदरसे के पीछे स्थित बगीचे को दुकान लगाने के लिए चिह्नित किया गया है। चेयरमैन ने यह भी कहा कि सभी व्यापारी अपने स्टॉल के पास सुरक्षा और अग्निशमन संसाधन सुनिश्चित करेंगे। इस मौके पर मोहम्मद शफीक, मोहम्मद सलाम, अब्दुल कलाम, मोहम्मद इरफान, सद्दाम, इस्माइल, रियाज, रईस, राजपत, शोभालाल और आकाश सोनकर आदि मौजूद रहे।

बंदरों के हमले से युवती गंभीर रूप से घायल

टिनिच। गौर-वाल्टरगंज मार्ग पर गटरा पुल के पास बृहस्पतिवार को बंदरों के हमले से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल लक्ष्मी चकचई गांव की रहने वाली हैं। परिजनों के साथ बाइक से बस्ती जा रही थी। जानकारी के अनुसार, जैसे ही वह बलुआ समय माता मंदिर के आगे कुआनो नदी पर स्थित गटरा पुल पार कर रही थी, सड़क किनारे खड़ा बंदर बाइक पर झपट्टा मार दिया। इस दौरान लक्ष्मी और उनकी मां बाइक से गिर गईं। लक्ष्मी के सिर के पीछे गंभीर चोट लग गई और खून बहने लगा। राहगीरों की मदद से दोनों को सड़क किनारे सुरक्षित किया गया और स्थानीय लोगों के सहयोग से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस क्षेत्र में लगातार बंदरों के हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। इलाके में जंगल होने के कारण बंदरों ने अपना ठिकाना बना लिया है और श्रद्धालुओं की छोड़ी जाने वाली खाने की वस्तुएं उन्हें अपनी भोजन सामग्री समझकर राहगीरों पर झपट्टा मारने का कारण बन रही हैं।

एक दिन की जीआरपी प्रभारी निरीक्षक बनी अदिति द्विवेदी

बस्ती। मिशन शक्ति फेज- 5 के तहत बृहस्पतिवार को सरस्वती बालिका विद्या मंदिर रामबाग की कक्षा आठवीं की छात्रा आदित्य द्विवेदी को एक दिन के लिए जीआरपी प्रभारी निरीक्षक बनाया गया। अदिति द्विवेदी ने जीआरपी प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार यादव के साथ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जीआरपी स्कोर्ट कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही एक्सप्रेस ट्रेन के महिला कोच में यात्रा के दौरान महिला यात्रियों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए जागरूक किया और कहा कि ट्रेन में आपातकालीन स्थिति में या किसी भी घटना की आशंका होने पर रेलवे पुलिस के ट्विटर हैंडल, व्हाट्सएप नंबर 7570000100 एवं आपातकालीन पुलिस सेवा 112 पर सूचना देकर मदद ले सकते हैं। प्लेटफार्म पर महिला यात्रियों को अदिति ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना,नारी शक्ति बंदन अधिनियम,बैंकिंग कॉरेस्पांडेंट सखी, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष,मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विधिवत जानकारी दी। इस मौके पर उप प्रधानाचार्या मंजुला श्रीवास्तव, पंखुड़ी मिश्रा, टिकट निरीक्षक मो. शमीम, उप निरीक्षक श्रवण कुमार यादव, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार मिश्रा, राकेश यादव, राजेश यादव, निहारिका श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पंचायतीराज के सरप्लस सफाईकर्मी जाएंगे भदोही

बस्ती। जिले के पंचायतीराज विभाग में तैनात सरप्लस सफाई कर्मचारियों को भदोही जनपद में तैनाती दी जाएगी। इसके लिए शासन से दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उसी क्रम में डीपीआरओ घनश्याम सागर ने आदेश पत्र जारी किया है। डीपीआरओ ने बताया कि जनपद भदोही में तैनात किए जाने के लिए निति निर्धारण किया जाना है। जिले के इच्छुक सफाई कर्मी प्रत्यावेदन दे सकेंगे। बताया कि सभी एडीओ पंचायत से इस बाबत जानकारी मांगी गई है। जो कर्मी भदोही जाना चाहते हैं, वह फोटोयुक्त शपथ पत्र के साथ सूचना दे सकते हैं।

गायघाट में दो बोरी विस्फोटक बरामद

कलवारी। पुलिस ने गायघाट बाजार से जांच के दौरान दो बोरी विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना कलवारी के सीओ प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को थानाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह और चौकी प्रभारी गायघाट राममणि उपाध्याय पटाखा व्यवसाय से जुड़े लोगों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान राम किशोर निवासी गायघाट के यहां भारी मात्रा में बारूद से युक्त पटाखा बरामद हुआ। वह उनसे संबंधित कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में दो बोरी विस्फोटक बरामद किया गया। राम किशोर के खिलाफ अधिक मात्रा में विस्फोटक रखने के आरोप में केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घर-घर स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने का आह्वान

बस्ती। शहर के रामबाग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बृहस्पतिवार को आरोग्य भारती गोरक्ष प्रांत के अभ्यास वर्ग में घर-घर स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में प्रांत के 10 जिलों के कार्यकताओं ने भाग लिया। आयोजन का शुभारंभ सुबह 10 बजे भगवान धनवंतरि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचारक एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय थे। मुख्य अतिथि गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत नगर की चेयरमेन नीलम सिंह राना उपस्थित रहीं। डॉ. वार्ष्णेय ने आरोग्य भारती की स्थापना के उद्देश्य और परिवार तथा स्वास्थ्य पर संगठन की सोच पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आरोग्य भारती बिना किसी दवाई के स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देती है और देशभर में स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्य कर रही है। उद्बोधन में महेश शुक्ला ने आरोग्य भारती के कार्यों की सराहना की और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में संगठन के योगदान को अविस्मरणीय बताया।

कानून और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती पर दिया जोर

बस्ती। डीआईजी संजीव त्यागी ने बृहस्पतिवार को बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर के पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। आगामी त्योहारों दीपावली और छठ पूजा को लेकर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती पर जोर दिया। डीआईजी ने चेन स्नेचिंग और लूट पर प्रभावी नियंत्रण के लिए दस वर्षों के अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। ऑपरेशन क्लीन के तहत वाहनों और लंबित विवेचनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के लिए कहा। आगामी त्योहारों के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने और गश्त व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर दिया। सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं का त्वरित खंडन और जरूरी कार्रवाई की हिदायत दी। डीआईजी ने वांछित और पुरस्कार घोषित आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ ही पटाखा विक्रेताओं और भंडारण स्थलों, शस्त्र और कारतूसों के सत्यापन तथा गो-तस्करी रोकने के लिए रात्रिकालीन चेकिंग की हिदायत दी। महिला एवं एससी/एसटी एक्ट से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर, कंपनी ने लागत घटाने के लिए 16000 नौकरियों में कटौती का बनाया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी में अब 16 हजार नौकरियों की छंटनी की तैयारी चल रही है। क्या है पूरा मामला आइए जानते हैं विस्तार से। खाद्य जगत की दिग्गज स्विस कंपनी नेस्ले ने भी अपने वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए छंटनी का सहारा लेने का फैसला किया है। खबर है कि कंपनी वैश्विक स्तर पर 16,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अगले दो वर्षों में वह नौकरियों में कटौती कंपनी। स्विस कंपनी ने बताया कि वह अगले वर्ष के अंत तक लागत में कटौती का लक्ष्य बढ़ाकर 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.76 अरब डॉलर) कर रही है। पहले यह लक्ष्य 2.5 अरब स्विस फ्रैंक (3.13 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। वेवे, स्विट्जरलैंड स्थित कंपनी के लिए यह साल उथल-पुथल भरा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल से बिगड़ी सफाई व्यवस्था

ग्वालियर। नगर निगम में आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल ने पूरे शहर की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। गुरुवार सुबह से ही कर्मचारियों ने कामकाज ठप कर दिया, जिससे ग्वालियर डिपो से एक भी कलेक्शन वाहन नहीं निकला। जिसके चलते शहरभर में कचरे के ढेर लगने लगे कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें वेतन और एरियर नहीं मिला है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक भुगतान नहीं होगा, न डिपो से वाहन निकलेंगे और न सफाई होगी। निगम ने मजबूर होकर सेकेंडरी वाहनों से कलेक्शन शुरू कराया, लेकिन हालात पूरी तरह काबू में नहीं आए। शाम को निगम ने कर्मचारियों के खाते में वेतन जमा करवा दिया। डिपो में सुबह से ही सैकड़ों कलेक्शन वाहन, डंपर और कंटेनर ट्रक खड़े रहे, और कर्मचारियों ने अधिकारियों के आने पर भी काम शुरू नहीं किया।

भगवत सहाय महाविद्यालय में दीपावली से पहले बंट जाएगा वेतन

ग्वालियर। भगवत सहाय महाविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों का दो माह से अटका वेतन दीपावली से पहले मिल जाएगा। गुरुवार को प्रभारी प्राचार्य बृजवाला राय को आहरण अधिकार दिए जाने के आदेश उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी कर दिए गए हैं। अभी तक प्रभारी प्राचार्य को आहरण अधिकार न होने की वजह से वेतन वितरित नहीं हो पा रहा था। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा प्रो. के रत्नम ने आदेश आने की पुष्टि की है। उनका कहना है कि शुक्रवार को बिल लगाने के बाद वेतन बैंक खातों में पहुंचा दिया जाएगा।

जीएसटीआर-3बी रिटर्न की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए

ग्वालियर। सितंबर-2025 माह हेतु जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि जो कि 20 अक्टूबर 2025 है। उक्त तिथि को दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए 30 अक्टूबर तक किया जाए। यह मांग मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर की है। पदाधिकारियों ने कहा है कि दीपोत्सव जैसे पर्व व उपरोक्त परिस्थितियों में व्यवसाईयों के लिए समय पर रिटर्न दाखिल करना अत्यन्त कठिन है।

प्रजापति समाज ने व्यक्त किया मुख्यमंत्री का आभार

ग्वालियर। दीपावली पर्व पर प्रजापति समाज के लिए मिट्टी के दीपक विक्रय करने के बाजार एवं हाटों में स्थान दिए जाने एवं किसी भी तरह की वसूली न किए जाने कि आदेश दिए गए हैं। इस आदेश से प्रजापति समाज में मिट्टी के दीपक आदि बनाने वाले गरीब लोग बहुत प्रसन्न हैं। अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ के पूर्व अतिरिक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जवाहर प्रजापति ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं ग्वालियर जिलाधीश रूचिका चौहान का आभार व्यक्त किया है। आभार व्यक्त करने वालों में होतम सिंह प्रजापति, खुशालीराम, प्रहलाद विश्वकर्मा, डॉ. रामबिहारी प्रजापति, पुतूसिंह, विक्रम प्रजापति, रामेश्वर प्रजापति आदि शामिल हैं।

रोक के बाद भी सीएमएचओ दवा स्टोर से बंट रही एंटीबायोटिक

भोपाल कॉर्पोरेशन से आई टीम, स्टोर का किया निरीक्षण

ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल में बच्चों को दी जाने वाली एंटीबायोटिक सिरप में कीड़े निकलने की शिकायत सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। शिकायत के बाद जहां सिविल सर्जन कार्यालय ने तत्काल दवा वितरण पर रोक लगा दी, वहीं दूसरी ओर सीएमएचओ कार्यालय के दवा स्टोर से जिले के अन्य अस्पतालों में इसकी सप्लाई की जा रही है। उधर मामले की गम्भीरता को देखते हुए मप्र पब्लिक हेल्थ सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड से दो सदस्यीय टीम सिविल सर्जन स्टोर पहुंची और निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार मुरार

जिला अस्पताल में बच्चों के उपचार के लिए जो एंटीबायोटिक सिरप इस्तेमाल किया जा रहा था, उसी की एक बोतल में कीड़े नजर आने की शिकायत हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ.आरके शर्मा ने तत्काल उस बैच की दवा पर प्रतिबंध लगा दिया और औषधि निरीक्षक को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद दवा के नमूने जांच के लिए भेजे गए, लेकिन हैरानी की बात यह है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के स्टोर में इस दवा को लेकर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार जिले की ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थाओं में दवा की नियमित आपूर्ति जारी है, जिसमें इसी कंपनी के सिरप की खेप शामिल है। उधर भोपाल से आई टीम में शामिल डिविजनल फार्मासिस्ट संदीप साहू एवं डिविजनल फॉर्मेट क्वालिटी अरविंद रावत ने स्टोर का निरीक्षण किया और पूरा स्टॉक भी चेक किया। इसके अलावा दवाओं के नमूने भी लिए गए। टीम ने अपनी रिपोर्ट भी तैयार की है, जिससे भोपाल वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

चिकित्सकों का सिरप लिखने से परहेज

शिकायत के बाद कई चिकित्सकों ने एंटीबायोटिक सिरप लिखने से परहेज करना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक दवा की गुणवत्ता पर जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती, बच्चों को जोखिम में डालना ठीक नहीं।

हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सीएमएचओ कार्यालय स्टोर से जो एंटीबायोटिक दवा सप्लाई की जा रही है, वह दूसरे बैच की है। इसके अलावा स्टोर में दवा को भी दिखवाया जा रहा है।

आदेश के बावजूद प्रशासन मौन

मिट्टी से जुड़े शिल्पकारों को नहीं मिल रही जमीन

ग्वालियर

भारतीय संस्कृति की पहचान माने जाने वाले मिट्टी के शिल्पकार आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जारी आदेश के तहत प्रदेशभर में मिट्टी से जुड़ा कार्य करने वाले शिल्पकारों को मिट्टी और मिट्टी से बनी वस्तुएं बेचने के लिए स्थाई भूमि उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया गया था। यह आदेश सभी जिलों के जिलाधीशों को जारी किए गए थे, लेकिन ग्वालियर में आज तक इस पर अमल नहीं हुआ है।

सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जिले के अधिकारियों की बेरुखी ने इन शिल्पकारों को फिर एक बार निराश कर दिया है। इतना ही नहीं ग्वालियर सांसद और विधायकों ने भी प्रशासन को पत्र लिखकर मिट्टी उपलब्ध कराने और स्थाई स्थान तय करने की सिफारिश की थी, ताकि दीपावली जैसे त्योहारों पर शिल्पकारों को अपने पारंपरिक कार्य के लिए कोई परेशानी न हो, लेकिन अधिकारियों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि शहर में ऐसी कोई जगह उपलब्ध नहीं है।

शिल्पकारों का कहना है कि हर साल दीपावली के समय प्रशासन वादे तो करता है, लेकिन उस पर अमल नहीं करता है।

शिल्पकारों का कहना है कि वे मिट्टी से बनी प्रतिमा, दीपक, कलश और अन्य पारंपरिक वस्तुएं तैयार करते हैं, जो न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी हैं बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका का साधन भी हैं। प्रशासन की लापरवाही ने उनकी आजीविका को संकट में डाल दिया है।

हाट बाजार में भी वसूली का खेल

सरकार ने आदेश जारी किया था कि हाट बाजार में शिल्पकारों को नि:शुल्क दुकानें उपलब्ध कराई जाएं, लेकिन हकीकत इसके उलट है। शिल्पकारों ने बताया कि उनसे डरा-धमकाकर वसूली की जाती है और दुकानों के लिए कोई पर्ची या रसीद भी नहीं दी जाती। यह सब कुछ खुलेआम हो रहा है।

गुम मोबाइल ढूंढने में ग्वालियर प्रदेश में दूसरे स्थान पर

6.94 करोड़ के मोबाइल तलाशे

ग्वालियर

पुलिस ने लोगों के गुम हो गए मोबाइल तलाश करने में संवेदनशीलता दिखाई है और पिछले दिनों में 6.94 करोड़ रुपए के मोबाइल फोन तलाश कर उन्हें मोबाइलधारकों को वापस किया है। इसके चलते प्रदेश में मोबाइल तलाशने के मामले में ग्वालियर पुलिस दूसरे स्थान पर रही है।

पुलिस की साइबर सेल ने मोबाइल गुम होने की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की है। सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से अभी तक विभिन्न कंपनियों के 06 करोड़ 94 लाख 75 हजार रुपये कीमत कुल 3209 मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया जो कि एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, ओप्पो, वीवो, पोको, टेक्नो, रेडमी, रियलमी, एमआई आदि कंपनियों के है। उक्त मोबाइलों को ग्वालियर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किये गये।

मोबाइलों को देश के विभिन्न स्थानों के साथ ही ग्वालियर, मुरैना, गुना, भिंड, शिवपुरी, दतिया, झांसी, बिहार, केरल, दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, उ0प्र0 एवं उत्तराखंड आदि स्थानों से बरामद किया है। उक्त जारी सूची में प्रतिशत के अनुसार प्रथम स्थान मण्डला तथा द्वितीय स्थान ग्वालियर एवं तृतीय स्थान डिंडोरी को प्राप्त हुआ है। ग्वालियर साइबर सेल लगातार सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से प्राप्त गुम मोबाइल संबंधी शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए बरामदगी के प्रयास कर रही है।

गुम मोबाइल की शिकायत तुरंत करें

सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल के माध्यम से मोबाइल धारक अपने चोरी या गुम हुए मोबाइल की शिकायत ऑनलाइन कर सकते हैं। सीईआईआर की मदद से मोबाइल को ब्लॉक करने के बाद कोई उसका गलत उपयोग नहीं कर पाएगा और यदि कोई व्यक्ति मोबाइल का सिम कार्ड बदल कर दूसरी सिम लगाकर मोबाइल का उपयोग करेगा तो उसकी जानकारी पुलिस को मिल जाएगी तथा पुलिस मोबाइल को आसानी से खोज लेगी। जिसका मोबाइल गुम हो गया है या चोरी हो गया है तो इसकी रिपोर्ट नजदीकी थाने पर दर्ज कराएं और फिर सीईआईआर पोर्टल पर जाकर मोबाइल का आईएमईआई नंबर ब्लॉक करें जिससे गुम हुए या चोरी हुए मोबाइल का कोई नई सिम डालकर उपयोग करेगा तो पोर्टल के माध्यम से पुलिस को सूचना मिल जाएगी।

सराहनीय भूमिका

उक्त गुम मोबाइलों को खोजने में प्रभारी सायबर सेल उप निरीक्षक रजनी सिंह रघुवंशी, उप निरीक्षक विश्ववीर सिंह जाट, उपनिरीक्षक रूबी भार्गव, आरक्षक जैनेन्द्र गुर्जर, आरक्षक कपिल पाठक, आरक्षक सोनू प्रजापति, आरक्षक शिवकुमार यादव, आरक्षक प्रदीप यादव, आरक्षक आशीष शर्मा, आरक्षक देवेश शर्मा, आरक्षक विपिन सिकरवार की सराहनीय भूमिका रही।

बीएचयू के प्राध्यापक ने वैदिक गांव और नवाचारों को सराहा

ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में गुरुवार को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के डेयरी साइंस विभाग के प्राध्यापक डॉ. गुरुप्रसाद सिंह ने भ्रमण किया। इस दौरान कुलगुरु डॉ. अरविन्द शुक्ला ने उन्हें विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और नवाचार इकाइयों का अवलोकन कराया।

डॉ. सिंह ने बायोटेक्नोलॉजी लैब, जीन बैंक, एरोपोनिक और हाइड्रोपोनिक यूनिट, नेट हाउस, हाईटेक नर्सरी एवं जैविक तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से विवि परिसर में विकसित वैदिक गांव की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल कृषि शिक्षा, ग्रामीण विकास और ग्रामीण पर्यटन के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि विवि की वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं और सुविधाएं मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में दुर्लभ हैं। डॉ. सिंह ने विश्वविद्यालय को आश्वासन दिया कि वे गौशाला के लिए बायोगैस यूनिट मॉडल तैयार कराने में सहयोग करेंगे, जिससे गौशाला की बिजली आवश्यकताएं बायोगैस ऊर्जा से पूरी की जा सकें। डॉ. शुक्ला ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह टिकाऊ और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

सफलता के लिए संतुलित आहार व दिनचर्या आवश्यक

ग्वालियर

पीएमसी केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में पोषण माह के अंतर्गत स्वस्थ नारी एवं सशक्त परिवार की थीम पर कई गतिविधियां आयोजित की गईं। जिसमें बालिकाओं के स्वास्थ्य, किशोर आयु की बालिकाओं के शारीरिक परिवर्तन एवं उनको स्वस्थ रखने हेतु संतुलित पोषण की आवश्यकता पर बल दिया गया। पोषण माह के अंतर्गत छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। संतुलित आहार के विषय में बताया गया। संतुलित दिनचर्या का महत्व बताया,उनका वजन, उनकी लंबाई आदि बातों के बारे में बताया गया। ताकि किशोरावस्था से ही बालिकाएं जो कि भविष्य की सशक्त नारी बनेगी वह स्वास्थ्य और पोषण हेतु प्रेरित हो सकें। स्वास्थ्य और पोषण माह के अंतर्गत प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को हाथ धोने का सही तरीका बताया गया।

कक्षाओं में भी बालक-बालिकाओं द्वारा स्वस्थ एवं सशक्त परिवार विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के सभागार कक्ष में किशोर बालिकाओं के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें तृप्ति दत्ता, प्रियंका शर्मा एवं याशिका मिश्रा ने बालिकाओं को स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया । प्राचार्य राजेश पांडे ने विद्यालय के किशोर शिक्षा कार्यकम प्रभारी को बालिकाओं के हित में और अधिक गतिविधियों के आयोजन हेतु निर्देश दिए।

कुलगुरु को अलमारी में मिली अंकसूचियां, कहा- जल्द भेजें अन्यथा कार्रवाई

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की अंकसूचियां समय पर नहीं मिल रही हैं। इस तरह की शिकायतें मिलने के बाद कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य गुरुवार की सुबह परीक्षा और गोपनीय शाखा का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। यहां पर उन्हें एक अलमारी में अंकसूचियां भरी मिलीं। इस पर उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि यह ठीक नहीं है, इन अंकसूचियों को तीन दिन में विद्यार्थियों अथवा महाविद्यालय में भेजें अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन को लेकर बैठक : सीएम हेल्पलाइन में आ रही शिकायतों के निराकरण को लेकर आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की ऑनलाइन बैठक ली थी, इसमें कहा गया कि हेल्पलाइन में आने वाली प्रत्येक शिकायत को सुना जाए, उसका जवाब दिया जाए और निराकरण किया जाए। बिना शिकायत सुने बंद नहीं किया जाना चाहिए।

कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होताः शिविका

ग्वालियर

कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि आप मन में ठान लें तो दुनिया का कोई भी लक्ष्य आपके लिए मुश्किल नहीं है।

यह विचार मिसेज यूनिवर्सल 2025 प्रतियोगिता में विश्व में सातवीं रैंक एवं मिसेज यूनिवर्सल ब्यूटी प्रिंसेस 2025 का टाइटल प्राप्त कर लौटीं शिविका सिंह ने अपने स्वागत समारोह में व्यक्त किए। अवार्ड प्राप्ति के पश्चात प्रथम नगरागमन पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी ने कहा गृहस्थ जीवन में से समय निकालकर तैयारी करना और सफलता हासिल करना वास्तव में ही बहुत दुष्कर कार्य है। परंतु शिविका ने अपनी लगन से यह करके दिखाया है। जो कि ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत के लिए बहुत ही गौरव की बात है। पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने कहा यह हम सबके लिए गौरव की बात है।

इस अवसर पर वंदना भूपेंद्र प्रेमी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आभार सोनू त्रिपाठी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में रश्मि त्रिपाठी, राजू सेंगर, बिरजू शिवहरे, विपिन बिहारी गोयल, विशाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

स्वस्थ रहने के लिए संतुलित भोजन और पानी पीएं

संगीत विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पोषण माह के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ईश्वर चंद्र करकरे ने कहा आजकल लोग कई तरह की बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण पोषण की कमी और खाने में मिलावट का होना है। हमारे लिए जिस तरह क्या खाना चाहिए पर फोकस करना चाहिए, उतना ही ध्यान क्या नहीं खाना चाहिए पर भी ध्यान देने की जरूरत है । हमें संतुलित भोजन के साथ पानी भी सही मात्रा में पीना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि बाजार के खाने से बचें और घर पर बने भोजन को खाएं।

इस अवसर पर कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. पारुल दीक्षित, डॉ. अंजना झा, डॉ. श्याम रस्तोगी सहित संगतकार और छात्र छात्राएं मौजूद रहे। संचालन एनएसएस सह प्रभारी डॉ. विकास विपट ने किया।

जीविवि : अन्तर कक्षा अध्ययनशाला स्तरीय युवा उत्सव शुरू

विद्यार्थियों ने कला कौशल का किया प्रदर्शन

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में गुरुवार को अन्तर कक्षा अध्ययनशाला स्तरीय युवा उत्सव का शुभारंभ हुआ। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.जेएन गौतम ने 22 विधाओं में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी, साथ ही विद्यार्थियों से इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम के पहले दिन एकल नृत्य शास्त्रीय, समूह नृत्य लोक, एकल गायन सुगम, कार्टूनिंग, ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

जिसमें निर्णायक के रूप में डॉ. सुनिलम चतुर्वेदी, शिखा सोनी, शिवा नायक, नवनीत कौशल, स्मिता महाजनी, वैशाली मोघे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विभिन्न अध्ययनशालाओं के छात्र-छात्राओं ने अपनी कला कौशल का प्रदर्शन किया। प्रो.गौतम ने कहा कि यह कार्यक्रम न सिर्फ विद्यार्थियों को प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास एवं नेतृत्व के गुणों को भी विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने देश भक्ति गीत, भजन, लोकगीत ने समां बांध दिया। साथ ही अत्यंत सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। शुक्रवार को गालव सभागार में सुबह 11 बजे से नाटक, स्किट, माईम, मिमिक्री, एकल गायन पाश्चात्य, समूह गान पाश्चात्य, एकल वादन ताल वाद्य, एकल वादन स्वर वाद्य, पोस्टर, क्ले मॉडलिंग एवं रंगोली आयोजित की जाएंगी।

अंतर-कक्षा युवा उत्सव में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

ग्वालियर

माधव महाविद्यालय में अंतर-कक्षा युवा उत्सव के पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें साहित्य की वक्तृत्व कला का विषय था आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका, जबकि वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था भारतीय शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता। संगीत विधा में विद्यार्थियों ने पाश्चात्य एकल गायन और सुगम संगीत में अपनी प्रतिभा दिखाई।

चित्रकला में कार्टूनिंग का विषय युवा और सोशल मीडिया तथा ऑन द स्पॉट पेंटिंग का विषय भारतीय ग्रामीण परिवेश रखा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिव कुमार शर्मा, डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. संजय पांडे, सांस्कृतिक समिति के समन्वयक डॉ. विकास शुक्ला, संगीत संयोजक डॉ. रूपाली गोखले, चित्रकला संयोजक डॉ. योजना तिवारी, साहित्य संयोजक डॉ. प्रेक्षा नाईक सहित अन्य मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जोहो से फायदा या उलझन

इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद कई और मंचों से उन्होंने यही आग्रह किया कि हमें आत्मनिर्भर होना है तो विदेशी वस्तुओं का त्याग करना पड़ेगा। हालांकि यह त्याग केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रहा, अब तकनीकी में भी स्वदेशी पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि उनका ईमेल अब जोहो पर शिफ्ट हो गया है। उनके अलावा कई और केन्द्रीय मंत्री और केन्द्रीय एजेंसियों के करीब 12 लाख कर्मचारियों के ईमेल सरकारी एनआईसी. इन से हटाकर प्राइवेट कंपनी जोहो पर शिफ्ट हो गये। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है। डोमेन तो एनआईसी.इन या जीओवी.इन ही है, लेकिन स्टोरेज, एक्सेस और प्रोसेसिंग सब जोहो के जिम्मे रहेगा। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किया कि जोहो सूट का इस्तेमाल करो। तकनीकी में स्वदेशी का इस्तेमाल खुशी की बात है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में अनुकरणीय काम किया है। और उनसे भी पहले 1976 में, जिस साल को केवल आपातकाल के लिए याद किया जाता है, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की स्थापना की थी, जो डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस का आधार बनी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एनआईसी भारत सरकार का प्रमुख आई टी संगठन है। एनआईसी ने डिजिटल क्रांति को संभव बनाया, लेकिन क्या अब इसे भी स्वदेशी के नाम पर तिलांजलि दी जा रही है, जबकि यह सच्चा स्वदेशी है। क्योंकि यह सरकारी उपक्रम है। जबकि जोहो एक निजी उपक्रम है, गूगल की तरह ही अगर सरकार को लगता है कि गूगल पर सब कुछ उपलब्ध होने से निजता का खतरा रहेगा, तो जोहो के साथ भी वही खतरा बरकरार रहेगा। बता दें कि 2022 में हैकर्स ने एम्स के 5 सर्वर और 1.3 टीबी से ज्यादा डेटा पर कब्जा कर लिया था। इससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। तभी यह बात चली कि स्वदेशी संचार तंत्र होता तो ऐसा नहीं होता। इसके बाद स्वदेशी संचार तंत्र की तलाश में 2023 में केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने सुरक्षित मेल सेवाएं देने के लिए टेंडर निकाले। टेंडर जोहो मेल ने जीता। नेशनल इंफॉर्मेटिक सेंटर ने 20 गोपनीय सुरक्षा मापदंडों पर जोहो मेल का ऑडिट किया। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसी सुरक्षा एजेंसियों ने जोहो की स्वतंत्र सुरक्षा जांच की। इसके बाद जोहो पर भरोसा किया गया। 2023 में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ 7 साल के अनुबंध बाद एनआईसी के डोमेन से पीएमओ समेत सभी सरकारी ईमेल जोहो पर चले गए। इसका मतलब है कि सरकारी फाइल्स और दस्तावेजों तक अब जोहो की पहुंच है। सरकार स्वदेशी की बात तो करती है लेकिन सॉफ्टवेयर की निजी कंपनी में स्वदेशी और परदेशी के बीच की जो महीन रेखा है, वो कब पार हो जाएगी, पता भी नहीं चलेगा। वैसे 1996 में बने जोहो कॉर्पोरेशन के कर्ताधर्ता श्रीधर वेम्बू की सरकार से नजदीकी छिपी हुई नहीं है। वे काफी हद तक संघ की विचारधारा के करीब हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ समय पहले नंगे पैर चलने के स्वास्थ्य लाभ बताने वाली उनकी एक पोस्ट पर आलोचना हुई तो उन्होंने कहा था कि उन्हें संघी कहकर भी आलोचना की जाती है। ध्यान देने वाली बात ये है कि 22 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वेम्बू मुख्य अतिथि थे जो गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में आयोजित था। वे इससे पहले चेन्नई में एबीवीपी संगमम में भी शामिल हुए थे। फरवरी 2019 में वेम्बू चेन्नई के आरएसएस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। मोदी सरकार ने 2021 में वेम्बू को पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसी साल वे अजीत डोभाल के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सदस्य बने और 2024 में यूजीसी के सदस्य बने। यह अघोषित तौर पर समझी हुई बात है कि मोदी सरकार में इस तरह की नियुक्तियां या सम्मान किन लोगों के हिस्से आता है। इसलिए जोहो पर सरकार की इतनी मेहरबानी पर अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या जोहो की आड़ में संघ की पूरी पहुंच देश से जुड़े संवेदनशील डेटा तक बना दी गई है। बता दें कि हाल ही में जोहो ने व्हाट्सऐप जैसा अरात्ती मैसेंजर लॉन्च किया है, तमिल में अरात्ती का मतलब बातचीत होता है। पहल अच्छी है, लेकिन निजता का सवाल उलझा हुआ है। सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी थी कि सिंगल टिक यानी संदेश भेजना, डबल टिक यानी मैसेज पहुंचना और अमित शाह की तस्वीर यानी मैसेज का पढ़ा जाना। याद रहे कि व्हॉट्सऐप पर मैसेज पढ़ने पर नीले टिक का प्रावधान है, लेकिन अरात्ती पर अमित शाह की तस्वीर का तंज कसकर आगाह किया गया कि आपके सारे संदेश यहां पढ़े जाएंगे। जोहो की काबिलियत और क्षमता पर तकनीकी जानकार ही बेहतर बता सकेंगे कि क्या गूगल का मुकाबला वह कर सकता है या नहीं, लेकिन यहां काबिलियत से भी गंभीर सवाल नीयत का उठता है। क्योंकि मोदी सरकार पर अक्सर आरोप लगते हैं कि सरकार की आलोचना या नरेन्द्र मोदी पर की गई कोई भी टिप्पणी सीधे देश विरोध से जोड़ दी जाती है।

यूपी की राज्यपाल महिलाओं-बच्चों की बदहाली पर चुप क्यों?

उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। पटेल का कहना है कि दूर रहें, वरना आप 50 टुकड़ों में मिलेंगी। यह टिप्पणी उनके पिछले दावे के ठीक अगले दिन आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप का असर देखने के लिए किसी अनाथालय में जाना चाहिए, जहाँ 15 साल की लड़कियाँ अपने बच्चों के साथ कतार में खड़ी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे। राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर (आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46% मातृ मृत्यु और 40% नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं। उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआइएसई) की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 18 प्रतिशत सरकारी स्कूलों, अर्थात लगभग 27,000 स्कूलों के भवन जर्जर स्थिति में हैं। इनमें से कई स्कूलों की छतें और दीवारें खतरनाक स्थिति में हैं। लखनऊ में प्राथमिक विद्यालय और नसीराबाद में छत का प्लास्टर गिरने से दो बच्चे घायल हो गये। नोएडा और गोरखपुर के इलाकों से भी ऐसी ही घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन (एएसईआर) 2024 की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश के 22 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में कार्यशील शौचालय ही उपलब्ध नहीं हैं और 35 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं। लगभग 40 प्रतिशत विद्यालयों में तो नियमित स्वच्छता व्यवस्था ही नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गम्भीर है, जहाँ शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में 10-12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। शिक्षा मंत्रालय की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 28 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में पेयजल की सुविधा नहीं है और 40 प्रतिशत स्कूलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। आश्चर्य यह है कि राज्यपाल आनंदी बेन ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों से जुड़े इन मुद्दों का कभी जिक्र तक नहीं किया। बेहतर होता कि जिस तरह राज्यपाल पटेल ने लिव इन रिलेशनशिप से युवतियों को आगाह किया, उसी तरह योगी सरकार को भी आगाह करती तो शायद उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मौजूदा हालत बेहतर हो सकती थी।

> ***राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे। राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तरप्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तरप्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर (आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46% मातृ मृत्यु और 40% नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं।***

सत्य के सच की मीमांसा, सत्य की सार्वभौमिकता सदैव शाश्वत

संजीव ठाकुर

मनुष्य का समग्र विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, असीम उत्साह, जिजीविषा और निरंतर उन्नति की आकांक्षा का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति के विकास-पथ पर मूल्यों का पुनसंयोजन और परिवर्तन सृष्टि का स्वाभाविक क्रम है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का सनातन नियम है। विकास के पथ पर धन की भूमिका अवश्य है, परंतु जब धन स्वयं लक्ष्य बन जाए तो वह दिशा को दिग्भ्रमित कर देता है। परिस्थितियों, आवश्यकताओं और युगीन दर्शन के अनुरूप समाज का दृष्टिकोण निरंतर परिवर्तित होता रहता है, किंतु सत्य कृ वह तत्व है जो समय, देश, समाज, धर्म और संस्कृति से परे, सर्वकालिक और सर्वमान्य बना रहता है। आदिकाल से ही मानव जीवन में धन और सत्य दोनों की अपनी विशिष्ट भूमिका रही है। धन जीवन की सुविधा का साधन है, जबकि सत्य उसके अस्तित्व का आधार। धन का महत्व है, परंतु धनबल सब कुछ नहीं। सत्य वह दिव्य आलोक है जो अंधकार के पार भी अपनी ज्योति बनाए रखता है। महात्मा गांधी ने कहा था कृ सत्य ही ईश्वर है और ईश्वर ही सत्य। गांधीजी का सम्पूर्ण जीवन इस उद्घोष का साक्षात रूप था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सत्य केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्त ऊर्जा है। स्वामी विवेकानंद भी कहते हैं कृ सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीम बल प्रदान करती हैय जो सत्य का पालन करता है, उसे कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती। वेदों और उपनिषदों में भी सत्य को सर्वोच्च मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। सत्यमेव जयते नानृतं कृ (मुंडक उपनिषद) कृ यह केवल वाक्य नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन का सार है। भारतीय परंपरा में सत्य को मन, वचन और कर्म की एकता में देखा गया है कृ सांच को आंच नहीं जैसी लोक कहावतें इसी शाश्वत सत्य की जनभाषा में व्याख्या हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा कृ तीन बातों को लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकतारू सूर्य, चंद्रमा और सत्य। सुकरात ने भी सत्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, पर अपने सिद्धांत से विचलित नहीं हुए। इमैनुएल कांट ने अपनी नैतिक दार्शनिकता में कहा कृ सत्य बोलना नैतिक कर्तव्य है, चाहे उसके परिणाम कुछ भी हों। लियो टॉलस्टॉय ने इसे मानवीय आत्मा की सर्वोच्च अवस्था माना कृ सत्य वही है जो आत्मा को स्वतंत्र करता है। वेदों में कहा गया है कृ सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र से ढका हुआ है।जब धन मुखर होता है, तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब धनबल और सत्ता ने नैतिकता को निगला, तब-तब सभ्यताओं ने पतन देखा है। धन का अतिरेक समाज को नैतिक भ्रम में डाल देता हैय भोग और उपभोग की संस्कृति में त्याग, संयम और संतुलन जैसे मूल्य विलुप्त होते जाते हैं। पश्चिमी औद्योगिक क्रांति के पश्चात धन का प्रभाव वैश्विक स्तर पर इतना बढ़ा कि समाज, राजनीति, धर्म, यहां तक कि शिक्षा और अध्यात्म भी आर्थिक निदेशों के अधीन होते चले गए। आज धन का नियंत्रण इतना व्यापक है कि राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया कृ सब उसके प्रभाव क्षेत्र में हैं। न्याय भी अब महंगा हो गया है कृ जैसे विवेक की जगह अब मूल्य (च्तपबम) ने ले ली हो। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सत्य का दमन कभी स्थायी नहीं होता। धन के पास सत्ता है, पर सत्य के पास स्थायित्व। धन आकर्षक है, पर सत्य आत्मिक। धन बदलता है, सत्य बना रहता है। आधुनिक वैश्वीकरण के इस युग में जब सब कुछ खरीदा-बेचा जा सकता है, तब भी सत्य की किंमत लगाना असंभव है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कृ जो सत्य की खोज में नहीं है, वह जीवन की सबसे बड़ी यात्रा से वंचित है।रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में कृ सत्य ही ईश्वर का दूसरा नाम हैय जो सत्य को जानता है, वही ईश्वर को जानता है।आज का युग धन, सत्ता और प्रभाव का युग अवश्य है, पर वह मानवता का युग तभी बनेगा जब उसमें सत्य का आलोक व्याप्त होगा। सत्य जीवन का शाश्वत आधार है कृ यह किसी ग्रंथ, धर्म या राष्ट्र की सीमा में बंधा नहींय यह मानव चेतना की आत्मा है। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो, तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है। सत्य ही वह शक्ति है जो मानवता को जोड़ती है, उसका मार्ग आलोकित करती है और हर युग में उसे पुनः जाग्रत करती है। धन के युग में भी सत्य ही मानव सभ्यता का अंतिम और सर्वोच्च विजेता है।सत्यमेव जयते।

धर्मनिरपेक्ष दल भाजपा द्वारा अपनी राजनीति को बढ़ावा देने के लिए हिंदुत्व के इस्तेमाल का मुकाबला कैसे कर सकते हैं

एस आर दारापुरी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राजनीति में हिंदुत्व के इस्तेमाल का मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों और संगठनों को एक रणनीतिक, बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है जो वैचारिक और व्यावहारिक, दोनों पहलुओं को संबोधित करे। नीचे राजनीतिक गतिशीलता और ऐतिहासिक संदर्भ पर आधारित प्रमुख रणनीतियाँ दी गई हैं, जिन्हें धर्मनिरपेक्ष संस्थाएँ अपना सकती हैं।बहुलवाद के साथ विशिष्टता को चुनौती देंरू हिंदुत्व एक हिंदू-बहुसंख्यकवादी आख्यान को बढ़ावा देता है, जो अक्सर गैर-हिंदुओं को गौण नागरिक के रूप में प्रस्तुत करता है। धर्मनिरपेक्ष दल भारत की बहुलवादी विरासत, जो इसके संविधान, समन्वयकारी परंपराओं और विविध धर्मों के ऐतिहासिक सह-अस्तित्व में निहित है, पर जोर देकर इसका मुकाबला कर सकते हैं। अकबर, अशोक या गांधी जैसे आधुनिक नेताओं, जिन्होंने विविधता में एकता की वकालत की, को उजागर करें। केवल हिंदुत्व का विरोध करने के बजाय, विविधता में एकता के इर्द-गिर्द एक आकर्षक आख्यान गढ़ें जो भावनात्मक रूप से प्रतिध्वनित हो। भारत की बहु-धार्मिक, बहु-जातीय पहचान का जश्न मनाने के लिए नारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मीडिया अभियानों का उपयोग करें। धर्मनिरपेक्ष संदेश को स्थानीय बनाने के लिए केरल की मप्पिला संस्कृति या

तमिलनाडु के शैव-वैष्णव सह-अस्तित्व जैसे अंतर्धार्मिक सद्भाव को दर्शाने वाले क्षेत्रीय आख्यानों को बढ़ावा दें। हिंदुत्व की संगठनात्मक ताकत (जैसे, आरएसएस की शाखाओं) का मुकाबला करने के लिए धर्मनिरपेक्ष दलों को जमीनी स्तर के नेटवर्क में निवेश करना चाहिए। संवाद और विश्वास को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक नेताओं और प्रगतिशील धार्मिक हस्तियों के साथ गठबंधन बनाएँ। हिंदुत्व अक्सर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर पनपता है। धर्मनिरपेक्ष संगठनों को अंतर्धार्मिक संवाद, सामुदायिक सेवा परियोजनाएँ और सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करने चाहिए जो विभाजन को पाटें, खासकर सांप्रदायिक तनाव वाले क्षेत्रों में।सोशल मीडिया और शैक्षिक अभियानों के माध्यम से युवा मतदाताओं को शामिल करें जो आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा दें और विभाजनकारी बयानबाजी का पदार्फाश करें। धर्मनिरपेक्ष आवाजों को बुलंद करने और गलत सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए ग जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करें। पहचान से हटकर कार्य-निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करें। आंकड़ों और वास्तविक जीवन की कहानियों का उपयोग करके भाजपा की शासन संबंधी कमियोंकृबेरोजगारी, आर्थिक असमानता, या बुनियादी ढाँचे की कमियोंकृको उजागर करें। उदाहरण के लिए, 2024 में भारत की बेरोजगारी दर 8.1ः थी (ब्डप्-डेटा), जिसका युवाओं पर असमान रूप से प्रभाव पड़ा, जो भाजपा का एक प्रमुख मतदाता आधार है। समावेशी आर्थिक नीतियों पर जोर दें जो हाशिए पर पड़े समूहों, जिनमें निम्न-जाति के हिंदू भी शामिल हैं, को आकर्षित करें, जो हिंदुत्व से प्रभावित हो सकते हैं लेकिन आर्थिक बहिष्कार का सामना करते हैं। सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा या रोजगार सृजन जैसी नीतियाँ पहचान-आधारित लामबंदी को कमजोर कर सकती हैं। प्रतिक्रियात्मक सांप्रदायिक बयानबाजी से बचें, क्योंकि इससे उदारवादी मतदाताओं के अलग-थलग पड़ने और भाजपा की ध्रुवीकरण रणनीति में शामिल होने का जोखिम है। धार्मिक विमर्श पर हिंदुत्व के एकाधिकार का मुकाबला करने के लिए हिंदू धर्म के भीतर प्रगतिशील उदारवादी और सुधारवादी आवाजों का समर्थन करें। कबीर प्रोजेक्ट जैसे संगठनों या समावेशिता की वकालत करने वाले प्रगतिशील हिंदू विद्वानों को बढ़ावा दें। हिंदू प्रतीकों और कथाओं को बढ़ावा दें जो धर्मनिरपेक्ष मूल्यों से मेल खाते हों, जैसे कि रामायण के न्याय और करुणा के विषय, ताकि हिंदुत्व की आक्रामक व्याख्याओं को चुनौती दी जा सके। अल्पसंख्यक धार्मिक समूहों (मुस्लिम, ईसाई, सिख) के साथ गठबंधन बनाएँ ताकि एक संयुक्त मोर्चा बनाया जा सके, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि संदेश उदार हिंदुओं को अलग-थलग न करे।

एक नायाब साल

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

क्रिकेटर की पत्नी अब गुजरात सरकार में संभालेंगी मंत्री पद, जामनगर उत्तर से हैं विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में नए मंत्रिपरिषद का शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह हुआ। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को भी मंत्रीपरिषद में जगह मिली है। जामनगर उत्तर विधानसभा का प्रतिनिधित्व करने वाली रिवाबा पहली बार विधायक बनी थीं और उन्होंने 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की थी। अब उन्हें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार में मंत्री बनाया गया है। रिवाबा ने शुक्रवार को मंत्री पद की शपथ ली। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 25 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जिसमें रिवाबा जडेजा भी शामिल हैं। मालूम हो कि गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। रिवाबा के बारे में जानिए रिवाबा क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी हैं। दो नवंबर 1990 को रिवाबा का जन्म राजकोट में हुआ। पिता हरदेव सिंह सोलंकी और मां प्रफुल्लबा सोलंकी हैं।

दिवाली पार्टी में छाईं मौनी रॉय और मृणाल ठाकुर

साड़ी लुक में लगाया ग्लैमर का तड़का

बॉलीवुड के जाने-माने प्रोड्यूसर रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी हर साल की तरह इस बार भी सितारों से सजी रही। बी-टाउन की ये सबसे चर्चित पार्टियों में से एक है, जहां हर साल फिल्मी जगत के बड़े-बड़े सितारे अपने ग्लैमरस और ट्रेडिशनल लुक्स के साथ चार चांद लगा देते हैं। इस बार की पार्टी में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला। पार्टी में मृणाल ठाकुर और मौनी रॉय अपने ट्रेडिशनल लुक से सबका अटेंशन अपनी ओर खींचती दिखीं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब छाई हुई हैं। मौनी रॉय के लुक की बात करें तो पार्टी के लिए मौनी रॉय ने एक बेहद सॉफ्ट लैवेंडर कलर की शाइनी टिश्यू साड़ी का चुनाव किया। उनकी साड़ी पर गोल्डन और सिल्वर गोटा-पट्टी का शानदार काम किया गया था, जो उनके लुक को रॉयल टच दे रहा था। उन्होंने इस लुक को खुले बालों और एक खूबसूरत मांग-टीका के साथ कंप्लीट किया, जिससे उनका पारंपरिक लुक और भी निखर गया। मौनी ने अपने मिनिमल मेकअप और नैचुरल ग्लो से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दूसरी ओर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी सादगी और एलीगेंस से सभी को इम्प्रेस करती नजर आईं। उन्होंने पार्टी के लिए रॉयल ब्लू कलर की साटन प्लेन साड़ी पहनी, जिसे उन्होंने सीक्विन और मोतियों से जड़े डीप-नेक स्लीवलेस ब्लाउज के साथ पेयर किया। उनका ये लुक पारंपरिक होने के साथ-साथ मॉडर्न टच से भरपूर था। मृणाल ने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स में सेट किया और स्टेटमेंट ईयररिंग्स के साथ पूरे लुक को ग्रेसफुल अंदाज में कंप्लीट किया। फैंस को दोनों हसीनाओं का ये लुक काफी पसंद आ रहा है और दोनों एक्ट्रेस अपने लुक से एक-दूसरे को मात दे रही हैं।

थामा की एडवांस बुकिंग शुरू, दिवाली पर होगा बड़ा धमाका

दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स की आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा ने एडवांस बुकिंग के साथ ही धमाकेदार शुरूआत कर दी है। सुबह से खुले एडवांस बुकिंग स्लॉट्स में टिकट्स तेजी से बिक रहे हैं और बड़े शहरों में

शो लगभग फुल हो रहे हैं। आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे दमदार सितारों से सजी यह फिल्म, मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की नई पेशकश है। इससे पहले इसी यूनिवर्स की स्त्री, भेड़िया और मुनज्या जैसी फिल्में हिट हो चुकी हैं। इस बार निर्देशक आदित्य सपोर्तेदार हॉरर, कॉमेडी और रोमांस का ऐसा मिश्रण लेकर आए हैं, जो दर्शकों को खूब भा रहा है। ट्रेड एनालिस्ट तरन आदर्श के मुताबिक, थामा में एक परफेक्ट फेस्टिव एंटरटेनर बनने के सभी गुण हैं। एडवांस बुकिंग शानदार रही है और बज अब दर्शकों को थिएटर तक खींच रहा है। मैडॉक यूनिवर्स और दिवाली रिलीज का फायदा इसे जरूर मिलेगा। वहीं, बुक माय शो के ओटीटी आशीष सक्सेना ने बताया, के लिए टिकट सेल्स ने जोरदार शुरूआत की है। मेट्रो और टियर-2 शहरों में लगातार अच्छी ट्रैक्शन दिख रही है। दर्शक दिवाली पर एक बड़े पर्दे के मनोरंजन की तलाश में हैं और जेंउउं वही वादा करती है। फिल्म के म्यूजिक और प्रोमो को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा है। दिवाली वीकेंड और बढ़ती एडवांस बुकिंग से साफ है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जोरदार ओपनिंग करने को तैयार है। थामा आने वाली 21 अक्टूबर 2025 दिवाली पर, वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

रॉक बैंड किस के गिटारिस्ट ऐस फ्रेहले का निधन, 74 की उम्र में कहा दुनिया को अलविदा

रॉक बैंड किस प्रमुख गिटारवादक और संस्थापक सदस्य ऐस फ्रेहले अब इस दुनिया में नहीं रहे। फ्रेहले का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गिटारिस्ट के निधन की पुष्टि उनके परिवार और एजेंट ने की है। एजेंट ने बताया कि फ्रेहले ने न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में परिवार के बीच आखिरी सांस ली। ऐस फ्रेहले के परिवार ने एक बयान जारी कर लिखा-ग्रैमी पुरस्कार के लिए

नामांकित और रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम में शामिल रॉक गिटारवादक और किस के प्रतिष्ठित संस्थापक सदस्य का आज 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फ्रेहले का न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में उनके घर पर हाल ही में गिरने के बाद निधन हो गया। परिवार की तरफ से आगे लिखा गया, हम बेहद दुख में हैं और टूट गए हैं। सिर्फ इस मामले में खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उनके आखिरी पहलों में हम उनकी देखभाल कर सके। उनके आसपास रहे, उन्हें प्यार दे सके और उनके लिए प्रार्थना कर सके। अब हम उनकी मजबूती, लोगों के प्रति दया की भावना उनकी हंसी और खास पलों को याद करके अच्छा महसूस कर सकते हैं। ऐस फ्रेहले के निधन से म्यूजिक इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस और करीबी सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें, ऐस फ्रेहले अपने गैलेक्टिक मेकअप और स्मोकिंग गिटार के चलते दर्शकों के बीच लोकप्रिय थे। उनके हिट गानों में रॉक एंड रोल ऑल नाइट और श्आई वाज मेड फॉर लविन यू शामिल थे।

लाल परी बन दिवाली पार्टी में शामिल हुईं प्रियंका चोपड़ा

अपने लुक से बनाया हर किसी को दीवाना

दिवाली का त्योहार आते ही बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक रोशनी और रौनक का माहौल छा गया है। ऐसे में ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस भी पूरी तरह से सेलिब्रेशन मूड में नजर आ रही हैं। देसी गर्ल लगातार दिवाली पार्टियों में शिरकत कर रही हैं और अपने लुक से फैंस का दिल चुरा रही हैं। हाल ही में प्रियंका ने नए दिवाली पार्टी लुक की तस्वीरें आई हैं, जो आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं। दरअसल, हाल ही में प्रियंका जॉनी वॉकर दिवाली बॉल में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस मौके पर प्रियंका शिमरी रेड गाउन में लाल परी बन शामिल हुईं। सिंगल शोल्डर डिजाइन वाले इस गाउन पर बारीक कढ़ाई, मोती और चमकदार सीक्विन का काम किया गया था, जिसमें एक्ट्रेस का रॉय लुक देखने को मिला। प्रियंका ने अपने इस लुक को मिनिमल ज्वेलरी से बैलेंस किया। इसके साथ ही उन्होंने रेड हील्स, हल्का डायमंड ब्रेसलेट और छोटी सी डायमंड इयररिंग्स पहनी। मेकअप की बात करें तो प्रियंका ने रेड लिपस्टिक, शार्प आईलाइनर और

हल्का ग्लिटर बेस लगाया और बालों का खूबसूरत बन बनाकर लुक को कंप्लीट किया। इस दौरान प्रियंका की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह अपनी सुपरहिट सीरीज सिटाडेल के सीजन 2 की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वह हॉलीवुड फिल्म द ब्लफ में 19वीं सदी की समुद्री डाकू का किरदार निभाती नजर आएंगी। इसके अलावा वह भारत के निर्देशक एस.एस. राजामौली और एक्टर महेश बाबू के साथ एक ग्लोबल प्रोजेक्ट ग्लोबट्रॉटर में भी काम कर रही हैं।

चार महीने में तीसरी बार कपिल शर्मा के कैफे पर हुई फायरिंग, हमले का वीडियो हुआ वायरल

कनाडा के सरे स्थित हास्य अभिनेता कपिल शर्मा के कप्स कैफे में चार महीने से भी कम समय में गोलीबारी की तीसरी घटना सामने आई। गुरुवार को सोशल मीडिया पर तीन सेकंड का एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ, जिसमें

एक वाहन से कैफे पर कई राउंड फायरिंग होती दिखाई दे रही है। हालांकि, इस क्लिप की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हो सकी है।वीडियो में साफ तौर पर एक शूटर गाड़ी के अंदर से कैफे के शीशे पर लगातार गोलियां चलाते हुए दिखाई दे रहा है। घटना के बाद, सोशल मीडिया पर कुलवीर सिद्धू नाम के एक व्यक्ति के नाम से एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट अपलोड किया गया (जिसकी प्रामाणिकता भी सत्यापित नहीं हो पाई है, जिस पर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर लगी थी। पोस्ट में, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथी कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों ने गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी। कथित तौर पर, इसमें लिखा था-वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह। आज कप्स कैफे, सरे में हुई गोलीबारी मैंने, कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों ने की थी। हमें आम जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जो लोग हमारे कर्जदार हैं या हमें धोखा दे रहे हैं, उन्हें चेतावनी दी जाएगी। बॉलीवुड के जो लोग हमारे धर्म के खिलाफ बोलते हैं, वे भी तैयार रहेंय गोलियां कहीं से भी आ सकती हैं।ष यह भी कहा गया था कि लोगों को उन लोगों से दूर रहना चाहिए जिनसे उन्हें कोई समस्या है। वीडियो में कहा गया- जो लोग अवैध गतिविधियों में शामिल हैं और काम पूरा होने के बाद भी भुगतान नहीं करते, उन्हें भी कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए। कहा जा रहा है कि बॉलीवुड का जिक्र एक मशहूर हीरो की वजह से है, क्योंकि कपिल शर्मा उनके करीबी बताए जाते हैं। पता चला है कि अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। इससे पहले, 10 जुलाई और 7 अगस्त को कैफे में गोलीबारी हुई थी, जिसमें खिड़कियां टूट गई थीं, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं आई थी। हाल ही में सरे की मेयर ब्रेंडा लॉक के कैफे का दौरा करने के बाद कैफे को फिर से खोल दिया गया।

न्यायिक हिरासत में भेजे गए जुबीन गर्ग की मौत मामले के दो आरोपी, जांच में लग सकता है तीन महीन से अधिक वक्त

दिवंगत सिंगर और सॉन्गराइटर जुबीन गर्ग की मौत मामले में जांच जारी है। इस मामले में दो कथित आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इसके अलावा सिंगापुर पुलिस ने भी जांच को लेकर टिप्पणी की है। लोकप्रिय असमिया सिंगर जुबीन गर्ग के मौत मामले में दो आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सिंगर के दो बैंड सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृतप्रभा महंत को पिछले महीने सिंगापुर में हुई गायक की मौत के सिलसिले में 14 दिनों की पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सिंगापुर पुलिस ने की टिप्पणी इसके अलावा दिवंगत सिंगर की मौत के मामले की जांच को लेकर सिंगापुर पुलिस ने शुक्रवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि मौत की जांच में तीन महीने का समय लग सकता है, जिसके बाद आगे की कार्यवाही के लिए जांच के निष्कर्ष राज्य कोरोनर को सौंप दिए जाएंगे। अब तक सात लोग गिरफ्तार गोस्वामी और महंत दोनों को विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा कई दिनों की पूछताछ के बाद 3 अक्तूबर को गिरफ्तार किया गया था और 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में 01 अक्तूबर से अब तक एसआईटी द्वारा कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि जुबीन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में कथित तौर पर स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई थी। सिंगापुर पुलिस ने क्या कहा? सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि गर्ग की मौत की जांच में लगभग तीन महीने और लग सकते हैं। बयान में कहा गया है कि एसपीएफ की जांच पूरी होने पर निष्कर्ष सिंगापुर में राज्य कोरोनर को सौंपे जाएंगे, जो यह तय करेंगे कि कोरोनर जांच (सीआई) की जानी चाहिए या नहीं। कोरोनर जांच एक न्यायिक अधिकारी द्वारा मृत्यु के कारण और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए की जाने वाली एक तथ्य-खोज प्रक्रिया है, जिसके निष्कर्ष समाप्त होने पर सार्वजनिक किए जाते हैं।

लगातार तीसरे दिन बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 484 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 484.53 अंक उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.55 अंक की बढ़त के साथ 25,709.85 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ। ब्लू-चिप बैंकिंग और तेल शेयरों में लिवाली तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण लगातार तीसरे दिन इनमें तेजी जारी रही। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 484.53 अंक या 0.58 प्रतिशत उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 704.58 अंक या 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 84,172.24 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.55 अंक या 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,709.85 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 4.18 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी बढ़त में रहे।

बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार

सदन में PM लेकोर्नु के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव गिरे

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस का ताजा सियासी संकट फिलहाल टल गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नु गुरुवार को लगातार अविश्वास प्रस्तावों से बच गए। इससे सरकार गिरने का खतरा टल गया और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कुछ समय के लिए राहत मिल गई। हालांकि, अब भी देश का बजट पारित कराना असली चुनौती है। हालात में थोड़ी स्थिरता जरूर आई है। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब भी एक अल्पमत वाली सरकार चला रही है। ससंद में कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत में नहीं है। अब हर बड़ा कानून आखिरी समय पर होने वाली सौदेबाजी पर निर्भर हो गया है और अगली बड़ी परीक्षा सालाना बजट पारित कराना है, जिसे साल खत्म होने से पहले पास करना जरूरी है। गुरुवार को 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों ने वामपंथी पार्टी 'फ्रांस अनबोउड' की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 271 वोट पड़े, जो सरकार गिराने के लिए जरूरी 289 वोटों से 18 कम थे। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव दक्षिणपंथी पार्टी 'नेशनल रैली' की ओर से लाया गया, जो विफल हो गया। अगर लेकोर्नु यह वोट हार जाते, तो राष्ट्रपति मैक्रों के सामने नए संसदीय चुनाव कराने, एक और नया प्रधानमंत्री खोजने (जो एक साल में फ्रांस का पांचवां प्रधानमंत्री होता) या खुद इस्तीफा देने जैसे कुछ ही कठिन और अप्रिय विकल्प बचते, जिससे वह पहले ही इनकार कर चुके हैं। फ्रांस इस स्थिति तक कैसे पहुंचा? जून 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का फैसला उनके लिए उल्टा साबित हुआ। इसके बाद जो संसदीय चुनाव हुए, उसमें निचले सदन में मैक्रों के विरोधी नेता तो बड़ी संख्या में चुनकर आ गए, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तबसे मैक्रों की अल्पमत सरकार एक-एक विधेयक के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है और लगातार गिर जा रही है। यह स्थिति फ्रांस की 'पांचवीं गणराज्य' की

राजनीतिक व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, जिसकी नींव 1958 में शार्ल द गॉल के नेतृत्व में रखी गई थी। यह व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति और स्थिर संसद के बहुमत के लिए बनाई गई थी, न कि गठबंधन की सौदेबाजी या बिखरी हुई संसद के लिए। अब जब कोई भी एक दल या गठबंधन 289 सीटों के पूर्ण बहुमत के करीब भी नहीं है, तो यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था अपनी मूल संरचना के खिलाफ जाकर काम कर रही है। हर बड़ा वोट एक तनावपूर्ण मुकाबला बना रहा है और फ्रांस की शासन व्यवस्था को लेकर बुनियादी सवाल उठ रहे हैं। फ्रांसीसी मतदाताओं और पर्यवेक्षकों के लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है। जो देश कभी यूरोप की स्थिरता का मॉडल माना जाता था, वह अब एक संकट से दूसरे संकट में फंसते चला जा रहा है। पेंशन कानून बना अहम मुद्दा विपक्षी दलों के कुछ सांसदों का समर्थन पाने के लिए प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने राष्ट्रपति मैक्रों के 2023 के प्रमुख पेंशन कानून को धीरे-धीरे लागू करने का प्रस्ताव रखा। इस कानून के तहत सेवानिवृत्ति की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 की जानी है। इस देरी से कानून के पूरी तरह लागू होने की समयसीमा लगभग दो साल आगे खिसक सकती है। इससे उन लोगों पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, जो अभी सेवानिवृत्ति के करीब हैं। सरकार का कहना है कि इस देरी से अगले साल करीब 400 मिलियन यूरो (430 मिलियन डॉलर) का अतिरिक्त खर्च आएगा और 2027 तक यह लागत बढ़कर 1.8 बिलियन यूरो (1.9 बिलियन डॉलर) हो सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा है कि इन खर्चों की भरपाई के लिए अलग से प्रबंध किया जाएगा।

सत्ता संघर्ष में मंगोलिया के पीएम को गंवानी पड़ी कुर्सी, सिर्फ 4 महीने सरकार में रहे गोम्बोजाव

बीजिंग (एजेंसी)। सत्ता संघर्ष में मंगोलिया के प्रधानमंत्री जंदनशतर गोम्बोजाव को पद से हटा दिया गया है। मंगोलिया के दिग्गज नेता को महज 4 महीने में अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। शुक्रवार (17 अक्तूबर) को मंगोलिया की संसद ने प्रधानमंत्री गोम्बोजाव को पद से हटाने के लिए मतदान किया। यह फैसला सत्तारूढ़ मंगोलियन पीपल्स पार्टी (एमपीपी) के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष के बीच लिया गया। संसद ने राजनेताओं से भारी अविश्वास प्रस्ताव मिलने के बाद उनको पद छोड़ना पड़ा। 13 जून 2025 को लुवसन्नामस्रेन ओयुन-एर्डीन के इस्तीफे के बाद जंदनशतर गोम्बोजाव ने प्रधानमंत्री पद संभाला था। हालांकि प्रधानमंत्री जंदनशतर

के विरोधियों ने संसद में एक विवादित प्रस्ताव पारित कर दिया, जिससे उन्हें प्रभावी रूप से पद से हटा दिया गया है। इसी बीच संसद अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के प्रमुख प्रतिद्वंदी अमरबायसगलन दशजेगवे के इस्तीफे पर भी बहस जारी रही। 71 सांसदों ने किया बर्खास्तगी का समर्थन मंगोलिया की 126 सीटों वाली राष्ट्रीय संसद, स्टेट ग्रेट खुराल में शुक्रवार को मतदान हुआ, जिसमें कथित तौर पर 111 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संसदीय बयान के अनुसार 71 सांसदों ने जंदनशतार की बर्खास्तगी का समर्थन किया और 40 सांसदों ने इसका विरोध किया। फिलहाल कार्यवाहक पीएम बने रहेंगे गोम्बोजाव जंदनशतर गोम्बोजाव को जून में प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था, और अब वे नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वे अपने पद से हटाए जाने को चुनौती देंगे या नहीं। यह राजनीतिक उथल-पुथल ऐसे समय में हुई है।

हंगरी में ट्रंप-पुतिन की मुलाकात से पीएम ओर्बान खुश

बोले- हम यूरोप के एकमात्र शांति समर्थक देश

बुडापेस्ट (एजेंसी)। ट्रंप ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ इस साल अपनी दूसरी मुलाकात की घोषणा की। मुलाकात की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि यह मुलाकात हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में होगी। उन्होंने संकेत दिए कि यह मुलाकात लगभग दो हफ्तों में हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच होने वाली आगामी वार्ता के बुडापेस्ट में होने पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने खुशी जाहिर की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन में युद्ध की समाप्ति पर चर्चा हो सकती है। दोनों नेताओं की हंगरी में मुलाकात पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने कहा कि यूरोप में हंगरी ही एकमात्र जगह है, जहां इस तरह की अहम बैठक हो सकती है। 'हंगरी एकमात्र शांति समर्थक देश' शुक्रवार को सरकारी रेडियो से बात करते हुए, यूरोपीय संघ में पुतिन के सबसे करीबी सहयोगी माने जाने वाले विक्टर ओर्बान ने कहा कि 'बुडापेस्ट आज यूरोप में एकमात्र ऐसी जगह है जहां इस तरह की बैठक हो सकती है, इसलिए क्योंकि हंगरी एकमात्र शांति समर्थक देश है।' उन्होंने आगे कहा, 'तीन वर्षों से, हम एकमात्र ऐसे देश रहे हैं जिसने लगातार, खुले

तौर पर, शांति की वकालत की है।' ट्रंप ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ इस साल अपनी दूसरी मुलाकात की घोषणा की। मुलाकात की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि यह मुलाकात हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में होगी। उन्होंने संकेत दिए कि यह मुलाकात लगभग दो हफ्तों में हो सकती है। विक्टर ओर्बान ने पश्चिम द्वारा यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय सहायता देने का विरोध किया और अपनी सीमाओं से यूक्रेन को सैन्य और वित्तीय आपूर्ति के स्थानांतरण की सुविधा देने से इनकार कर दिया। ओर्बान ने मास्को के विरुद्ध यूरोपीय संघ के कुछ प्रतिबंधों को वीटो करने की धमकी दी है और कीव को यूरोपीय संघ से यूक्रेन को वित्तीय मदद मिलने में भी बाधा डाली। अगस्त में अलास्का में हुई थी पुतिन और ट्रंप की मुलाकात इससे पहले अगस्त में ट्रंप और पुतिन की अमेरिका के अलास्का में मुलाकात हुई थी। हालांकि उस बैठक में यूक्रेन युद्ध की समाप्ति को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी थी। बुडापेस्ट, जहां ट्रंप-पुतिन बैठक हो रही है, प्रतीकात्मक महत्व रखता है। साल 1994 में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में ही अमेरिका, ब्रिटेन और रूस ने कीव द्वारा अपने परमाणु हथियार त्यागने के बदले यूक्रेन को संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का आश्वासन दिया था। हालांकि 2014 में रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा करके इस समझौते को तोड़ दिया।

यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने को तैयार नहीं ट्रंप, आज जेलेंस्की से मुलाकात से पहले दिए संकेत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की आज व्हाइट हाउस में बैठक होनी है। लेकिन उससे पहले ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि उनका देश यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें नहीं देगा। रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन के लिए ये मिसाइलें महत्वपूर्ण हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की शुक्रवार को व्हाइट हाउस में मुलाकात होने वाली है। लेकिन उससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिए हैं कि वह कीव को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलें भेजने के लिए तैयार नहीं हैं, जिनकी यूक्रेन को जंग में काफी जरूरत है। जेलेंस्की की यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब ट्रंप ने एक दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर युद्ध को लेकर लंबी बातचीत की है। हाल के दिनों में ट्रंप यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें बेचने पर सहमति जताते दिखे थे। जबकि पुतिन ने चेतावनी दी थी कि

इस कदम से अमेरिका और रूस के संबंध और खराब होंगे। लेकिन पुतिन से फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने यूक्रेन को मिसाइलें मिलने की संभावना को कम कर दिया। उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के लिए भी टॉमहॉक मिसाइलों की जरूरत है। हमारे पास बहुत सारी हैं, लेकिन हम उन्हें पूरी तरह खत्म नहीं करना चाहते। जेलेंस्की उन हथियारों की मांग कर रहे थे, जिनसे यूक्रेनी सेना रूसी इलाके में भीतर तक हमले कर सके और प्रमुख सैन्य ठिकानों, ऊर्जा केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना सके। उनका मानना है कि इस तरह के हमलों से पुतिन युद्ध समाप्ति के लिए सीधे वार्ता करने पर मजबूर होंगे। पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन ने फोन पर चेतावनी दी है कि टॉमहॉक मिसाइलें देने से क्षेत्र की स्थिति नहीं बदलेगी, लेकिन हमारे देशों के बीच संबंधों को गंभीर नुकसान होगा। ट्रंप और जेलेंस्की की यह जनवरी के बाद चौथी आमने-सामने की बैठक होगी और एक महीने से भी कम समय में दूसरी बार होगी। ट्रंप ने पुतिन से फोन पर बातचीत के बाद कहा कि वह जल्द ही हंगरी के बुडापेस्ट में रूसी नेता से मुलाकात करेंगे, ताकि जंग को खत्म करने पर चर्चा हो सके। दोनों ने अपने वरिष्ठ सहयोगियों से भी अगले सप्ताह किसी अनिश्चित स्थान पर मिलने पर सहमति जताई।

'भारत पर कोई हुक्म नहीं चला सकता'; तेल मामले में ट्रंप के बयान पर बोले रूस के उपप्रधानमंत्री

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के उप-प्रधानमंत्री नोवाक ने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार रूस से तेल खरीद जारी रखेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने यह साबित कर दिया कि कोई उस पर हुक्म नहीं चला सकता। रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर रूस के उप-प्रधानमंत्री

एलेक्जेंडर नोवाक ने कहा मुझे विश्वास है कि हमारे साझेदार हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे। हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग है, यह आर्थिक रूप से लाभदायक और व्यावहारिक है। भारत पर कोई हुक्म नहीं चला सकता हमारे साझेदार भारत ने लगातार यह घोषणा की है कि कोई उन पर हुक्म नहीं चला सकता और वे अपना रास्ता स्वयं चुनेंगे। यही हमारे रिश्ते की कसौटी है। नोवाक ने यह भी कहा कि भारत ने अब तेल का भुगतान चीन की मुद्रा युआन में करना शुरू कर दिया है हालांकि अब भी ज्यादातर भुगतान रूबल में ही हो रहा है। भारत ने सितंबर में रूस से 25597 करोड़ रुपये का तेल खरीदा है जो चीन के मुकाबले कम है। दोनों देशों में द्विपक्षीय व्यापार संबंध बेहतर वहीं, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा भारत के साथ रूस के ऊर्जा संबंध नई दिल्ली के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हैं। दोनों देशों में समग्र द्विपक्षीय व्यापार संबंध बेहतर हो रहे हैं। रूसी राजदूत से जब पूछा गया कि क्या ट्रंप की टिप्पणियों के मद्देनजर भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा, तो उन्होंने कहा, इसका जवाब भारत सरकार को देना है। भारत सरकार अपने देश के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस मामले से निपट रही है। अलीपोव ने यह भी कहा कि भारत के कुल हाइड्रोकार्बन आयात में रूसी कच्चे तेल का योगदान लगभग एक-तिहाई है।

दीवाली-छठ पर आसमान छू रहे हवाई किराए, होटल बुकिंग में भी 25 फीसदी तक आया उछाल

नईदिल्ली (एजेंसी)। दीवाली और छठ के मौके पर अपने घर लौटने और छुट्टियां बिताने वालों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोग काम से छुट्टी लेकर न सिर्फ अपने परिवार से मिलने जा रहे हैं, बल्कि कई लोग पर्यटन और धार्मिक स्थलों की ओर भी रुख कर रहे हैं। बढ़ती यात्रा मांग का असर अब हवाई किरायों और होटल बुकिंग पर साफ दिख रहा है। लोकप्रिय रूटों पर हवाई टिकटों के दाम बढ़ गए हैं, वहीं होटल कमरों की मांग में भी पिछले साल की तुलना में 20 से 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ट्रेवल एजेंसियों के अनुसार, हैदराबाद से नागपुर और कोलकाता जाने वाली उड़ानों के किरायों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आमतौर पर इन रूटों पर टिकट 4,500 से 6,500 रुपये तक मिल जाते थे, लेकिन अब दाम बढ़कर 11,500 से 16,500 रुपये तक पहुंच गए हैं। हैदराबाद से दिल्ली के लिए किराया भी 5,500-8,500 रुपये से बढ़कर 8,500-18,500 रुपये के बीच पहुंच गया है। इसमें सबसे दिलचस्प बात यह है कि हवाई किरायों में यह उछाल दीवाली सप्ताह (20 अक्टूबर से शुरू) से करीब दो से तीन महीने पहले ही देखने को मिला, यानी यात्रियों ने काफी पहले से अपनी यात्रा की अग्रिम बुकिंग कर

ली थी। बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों से इंदौर आने वाली उड़ानों के किराए में सबसे ज्यादा उछाल देखा गया है। 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर के बीच, इंदौर के लिए फ्लाइट टिकट की कीमतें 12,000 रुपये से 15,000 रुपये तक पहुंच गईं। जबकि सामान्य दिनों में ये कीमतें 4,000 रुपये से 6,000 रुपये के बीच होती हैं। जबकि लखनऊ से मुंबई जाने वाली इंडिगो की 26 अक्तूबर को सीधी उड़ान का किराया 24336 रुपये पहुंच गया है। एअर इंडिया एक्सप्रेस की सीधी उड़ान 22085 रुपये और एअर इंडिया की सीधी उड़ान 25723 रुपये में है। लखनऊ से दिल्ली की एअर इंडिया की एक अन्य सीधी उड़ान 15523 रुपये में, इंडिगो की सुबह रवाना होने वाली फ्लाइट का टिकट 8248 रुपये पहुंच गया है। हालांकि, त्योहार से ठीक पहले डीजीसीए ने एयरलाइंस को सलाह दी थी कि वे बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करें। इसके बाद इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने मिलकर करीब 1700 नई उड़ानों की घोषणा की थी। इस पूरी अवधि में डीजीसीए टिकट दरों और उड़ान संचालन पर सख्त नजर भी रखे हुए है। बावजूद इसके हवाई किराया बढ़ रहा है। हवाई किराया बढ़ने के यह है कारण एविएशन विशेषज्ञों का कहना है कि इस भारी बढ़ोतरी के पीछे मुख्य कारण है अत्यधिक मांग और सीमित सीटें है। त्योहारों में बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड, दिल्ली, मुंबई की ओर यात्रा करते हैं। एयरलाइंस डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम के तहत किराया तय करती हैं, जिसमें टिकट की कीमत सीटों की उपलब्धता और मांग के अनुसार बढ़ती जाती है। जैसे-जैसे उड़ानों की सीटें भरती हैं, बाकी बची सीटों के दाम स्वतः बढ़ जाते हैं। त्योहारों के दौरान एयरलाइंस को यात्रियों की जबरदस्त भीड़ मिलती है। इस समय वे अधिकतम कमाई के लिए किराए बढ़ा देती हैं। जब तक हवाई किराए पर कोई मूल्य नियंत्रण नहीं लगाया जाता, ऐसी स्थिति हर साल देखने को मिलेगी।

पेरिस की तरह वॉशिंगटन में विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं ट्रंप, अमीर कारोबारियों के डिनर में सामने रखी मंशा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वॉशिंगटन में लिंकन मेमोरियल के पास एक भव्य दरवाजा बनवाना चाहते हैं, ताकि अपनी एक स्थायी छाप छोड़ सकें। यह प्रस्तावित दरवाजा पेरिस के आर्क डी ट्रायंफ से प्रेरित होगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अमीर कारोबारियों के साथ एक रात्रिभोज के दौरान इस योजना का खुलासा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वॉशिंगटन में अपनी एक खास पहचान छोड़ना चाहते हैं। इसके लिए वह लिंकन स्मारक के पास एक पेरिस की तरह एक विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान बुधवार को इस योजना का खुलासा किया। यह रात्रिभोज उन अमीर व्यापारियों के लिए था, जिन्होंने व्हाइट हाउस में 250

मिलियन डॉलर की लागत से एक भव्य हॉल (बॉलरूम) बनवाने के लिए पैसा दान किया है। हालांकि, ट्रंप ने दरवाजा बनाने की लागत का कोई जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने कहा, 'यह वाकई बहुत खूबसूरत होने वाला है'। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि यह शानदार होगा'। कई राष्ट्रपति और उनके परिवार अपने कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में कोई खास बदलाव करके अपनी पहचान छोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही कुछ डिजाइन और निर्माण से जुड़े कार्यों में बदलाव किए हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव रोज गार्डन को पक्के पत्थर से ढका हुआ आंगन बनाना है। लेकिन यह दरवाजा केवल व्हाइट हाउस तक सीमित नहीं है। यह ट्रंप को वॉशिंगटन में एक और स्थायी स्मारक बनवाने का मौका देगा, जो स्मारकों के लिए मशहूर शहर है। यह योजना ट्रंप के उस पुराने विचार से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह शहर की पुरानी चीजों जैसे घास, टूटे-फूटे साइन बोर्ड और सड़कों के बीच की जगहों को नया बनाना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप को फ्रांस से मिलती है।

मेडागास्कर में तख्तापलट के बाद सेना के कर्नल ने संभाला राष्ट्रपति पद

संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

एंटानानारिवो (एजेंसी)। मेडागास्कर में तख्तापलट के बाद सेना के कर्नल ने राष्ट्रपति का पद संभाल लिया है। बता दें कि, द्विपीय देश में 1960 में आजादी के बाद से कई बार तख्तापलट हो चुका है। मौजूदा तख्तापलट भी इस राजनीतिक अस्थिरता की एक और कड़ी है। खुद पूर्व राष्ट्रपति राजोएलीना भी 2009 में सैन्य समर्थन से सत्ता में आए थे। अफ्रीका के पूर्वी तट के पास बसे द्वीपीय देश मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना के एक कर्नल ने सत्ता संभाल ली है। कर्नल माइकल रैंड्रियनिरीना ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। संयुक्त राष्ट्र ने इस सैन्य कब्जे की कड़ी निंदा की है। कर्नल रैंड्रियनिरीना ने सिर्फ तीन दिन पहले घोषणा की थी कि सेना देश की बागडोर संभालेगी। गुरुवार को उन्हें औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय में राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सैन्य

अधिकारियों, सरकारी प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों ने भाग लिया। कैसे हुआ सत्ता परिवर्तन? पिछले तीन हफ्तों से युवाओं के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मुख्य शिकायतें थीं, पानी और बिजली की कमी, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार। इसी माहौल में कर्नल रैंड्रियनिरीना ने राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना के खिलाफ बगावत कर दी और उनके समर्थक सैनिकों को पीछे धकेलते हुए सत्ता पर कब्जा कर लिया। देश छोड़कर राष्ट्रपति भागे, संसद ने हटाया इस दौरान राष्ट्रपति राजोएलीना देश छोड़कर भाग गए। रिपोर्टों के अनुसार, वे एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से निकले। संसद ने उनके खिलाफ महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।